जय जय महाश्रमण

नारीलोक

अध्यक्षीय कार्यालय :
श्रीमती कुमुद कच्छारा
अम्हेर ज्वेलरी, ऑफिस नं. 6
लक्ष्मी भुवन, आनन्दजी लेन
रसिकलाल ज्वेलर्स के सामने
एम.जी. रोड़, घाटकोपर (ई)
मुम्बई – 77
मो. : 9833237907
e-mail : kumud.abtmm@gmail.com

अंक 256 पंजीकृत कार्यालय : 'रोहिणी', अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, लाडनूं (राजस्थान) अक्टूबर 2019

लिखें शक्ति की नई ऋचाएं, अनुशासन के दीप जलाएं

दो वर्ष का स्वर्णिम सफर, अनुभूति के स्वर हो रहे मुखर

प्रिय बहनों एवं प्यारी बेटियों

सादर जय जिनेन्द्र।

सांस-सांस में भारीपन है, हाथों में हो रहा प्रकम्पन, कैसे लिखूं अनुभूति के स्वर, नहीं है आज कलम में स्पंदन
कहाँ से करूं इसका शुभारंभ, और करूं मैं कैसे समापन, भाव स्तब्ध है, शब्द मौन है, भाषा भी बन रही गौण है
सांसों की सरगम पर सिर्फ एक ही तान सुनाता मन, कैसे लिखूं अनुभूति के स्वर, नहीं है आज कलम में स्पंदन।।

बहनों 14 सितम्बर 2019, फूलों की नगरी बेंगलुरु के कुम्बलगुडु परिसर में जब श्रद्धा और भक्ति का सैलाब उमड़ना शुरू हुआ तो श्रद्धालुओं की भारी भीड़ में ऐसा लग रहा था मानो हर भक्त के मुख पर एक ही स्वर गूंज रहा था कि.....तेरी मनमोहक मुद्रा जब देखे मिटे थकान, मेरे महाश्रमण भगवान....

सचमुच बहनों ! अत्यधिक व्यस्तता के बावजूद भी जब परम पूज्य गुरुदेव ने राष्ट्रीय कार्यसमिति के लिए सेवा का स्वर्णिम अवसर प्रदान करवाया तब उनके उपपात में बैठने वाली हर बहिन के भीतर से यही भाव मुखरित हो रहे थे कि,

गुरु सन्निधि की पावन बेला में, दर्द सभी बिसराया है, गुरु इष्ट की पावन ऊर्जा से, मानस हमारा सरसाया है
गुरु हस्त सिर पे पा मन, अमिट शांति को पाया है, गुरु के असीम गुणों को, ससीम शब्द व्यक्त नहीं कर पाया है।

तत्पश्चात् जब 15 सितम्बर को देश के कोने-कोने से साहस, शौर्य और सृजन की प्रतीक केसरिया परिधान में सुसज्जित बहिनों का आगमन शुरु हुआ तो ऐसा लगा कि अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के 44वें राष्ट्रीय अधिवेशन के रूप में कुंभ के मेले का आयोजन हो रहा है जिसमें ऊर्जा के अजस्त्र स्त्रोत आचार्य प्रवर से बहनें अपने आचार, विचार, व्यवहार, संस्कार और आत्मा के उन्नयन हेतु ऊर्जा पाने के लिए लालायित हो रही है।

बहिनों ! अधिवेशन में आपके कर्मठ, जुझारू एवं ऊर्जायित व्यक्तित्व को मैंने पल-पल निहारा तो पाया कि आप सभी उन्नयन की दिशा में आगे बढ़ने के लिए कितनी संकल्पबद्ध होकर पहुँची है। प्रत्येक सत्र में आपने जिस अनुशासन एवं शालीनता का परिचय दिया वास्तव में काबिले तारीफ था। आप सभी के समर्पण को प्रणाम करती हूँ।

आज से दो वर्ष पूर्व 12 सितम्बर 2017 को कोलकाता के राजरहाट के गणपति बेंक्वीट में ओम अर्हम् की गगनभेदी गूंज के साथ आपने मुझे इस संस्था की तेरहवीं अध्यक्ष के रूप में स्वीकार किया वो दृश्य आज भी मेरे स्मृति पटल पर अंकित है। देखते ही देखते दो वर्ष बीत गए पता ही नहीं चला। दो वर्षों का एक-एक लम्हा आज भी चलचित्र की भांति आंखों के सामने घूम रहा है। परन्तु 735 दिन के उन अनुभूत तथ्यों को व सुखद अहसास को 70 से 75 लाइन में प्रस्तुत करना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है। फिर भी कुछ विशेष लम्हों को आपके साथ बांटना चाहूंगी। लगभग 300 से अधिक दिन घर-परिवार से दूर रहने का और उसमें भी लगभग 100 दिन गुरु सन्निधि में व्यतीत करने का अवसर मुझे मिला। गुरु सन्निधि में बिताए क्षण मेरे जीवन की अमूल्य थाती बन गए। भारत एवं नेपाल के लगभग 16 राज्यों के 100 क्षेत्रों की यात्राओं के दौरान 8 शाखा मंडलों की स्वर्ण जयंती, रजत जयंती, 13 विभिन्न आंचलिक कार्यशालाएं, 7 'पहचान' आंचलिक कन्या कार्यशालाएं, 8 हेप्पी एण्ड हारमोनियस फैमिली सेमिनार, 20 कन्या सुरक्षा सर्किल का उद्घाटन, 10 फिजियोथैरेपी सेंटर का उद्घाटन, बैंचों का अनावरण एवं अन्य विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से लगभग 400 शाखा मंडल की हजारों बहिनों से तथा मेरी कर्मठ व जागरूक राष्ट्रीय पदाधिकारी एवं कार्यसमिति की एक-एक बहिन से प्रत्यक्ष रूबरू होने का अवसर मुझे मिला। उन आत्मीय क्षणों में सभी स्नेहीजनों से जो सम्मान, अपनत्व, वात्सल्य एवं सहृदयता मुझे मिली उसे जीवन में कभी भूल नहीं पाउंगी।

बहनों, जब दायित्व ग्रहण किया था तब पारिवारिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए देशभर में यात्राओं का न मन में

अध्यक्षीय

लक्ष्य था और न ही चाह। फिर भी आप सभी के अत्यधिक आत्मीय आग्रह से एक ही क्षेत्र में एक से अधिक बार भी उपस्थित होने का मुझे मौका मिला। यह सब कैसे संभव हुआ मेरे लिए आज भी बहुत बड़ा आश्चर्य है। जब इस आश्चर्य का राज खोजने की कोशिश करती हूँ तो एक मात्र समाधान नजर आता है कि शक्तिपुंज परमपूज्य गुरुदेव द्वारा संप्रेषित अदृश्य अलौकिक शक्ति एवं साध्वीप्रमुखाश्रीजी की वात्सल्यमयी प्रेरणा से ही अनवरत यात्रा के बावजूद भी कभी मेरी प्रतिदिन की सामायिक, माला, जप या व्यक्तिगत साधना में संभवतः कोई विघ्न-बाधा नहीं आई। बहनों ! यात्राओं के दौरान आपके कर्तृत्व को देखा, जाना और आपकी कर्मजा शक्ति को साक्षात् पहचाना। बहनों ! आपने केन्द्र के हर निर्देश को शिरोधार्य करते हुए बड़ी जागरूकता के साथ उसका पालन किया और हर कार्य को यथासंभव सक्रियता से संपादित करने का प्रयास किया वह मेरे दिल में हमेशा के लिए अंकित रहेगा। मैंने इन दो वर्षों में कुछ भी नहीं किया है। जो कुछ भी उपलब्धियां संस्था ने हासिल की है वो आपके श्रम से हुई है और गुरु चरणों में समर्पित कर दी है। यदि मैंने कुछ किया है तो सिर्फ आपके दिल में स्थान बनाने का अंश मात्र प्रयास किया है। अब समय आ गया है लेखनी के माध्यम से आप सभी से विदा लेने का।

दो वर्ष पूर्व जिस अनासक्त एवं निर्लिप्त भावों से दायित्व स्वीकार किया था उन्हीं भावों के साथ पूज्यप्रवर की पावन सन्निधि में एवं आप सब की साक्षी में दायित्व का विसर्जन कर द्विवर्षीय कार्यकाल की नारीलोक के अंतिम अंक में शुक्रिया अदा करने की कोशिश कर रही हूँ तो मन के सागर में भावों की तरंगे उछल रही है मगर उसे लिपिबद्ध करने के लिए कलम साथ नहीं दे रही। क्योंकि दायित्व हस्तांतरण के अवसर पर जब मैंने अपने मन मंदिर के भगवान आचार्यश्री महाश्रमणजी की करूणा की अतिवृष्टि में स्वयं को भीगते हुए देखा, अपने परिवार के प्रति गुरु की कल्याणी वाणी का श्रवण किया तो ऐसा लगा मेरा तो जीवन धन्य हो गया। संघर्षों एवं चुनौतियों से परिपूर्ण दो वर्ष के सफर की थकान मानो आयी ही नहीं या फिर क्षण भर में ही दूर हो गई। ऐसे परम उपकारी गुरु के प्रति मेरा पूरा परिवार सदैव ऋणी रहेगा। मेरी जीवन निर्मात्री ममतामयी माँ साध्वीप्रमुखाश्री कनकप्रभाजी के उपपात में इन दो वर्षों के दौरान जब-जब भी बैठने का सौभाग्य मुझे मिला, मेरी सारी चिंताएं सकारात्मक चिंतन में परिणत होकर क्रियान्वित होने के लिए उतावली होती रही और स्वतः उपलब्धियों की सृष्टि का निर्माण होता गया। उनकी भी मैं सदैव ऋणी रहूंगी। प्रबुद्ध चिंतन की धनी श्रद्धेया मुख्य नियोजिकाजी, मुख्य मुनि प्रवर, साध्वीवर्याजी के प्रति कृतज्ञता। मंडल की आध्यात्मिक पर्यवेक्षक शासन गौरव साध्वी श्री कल्पलताजी का गहन चिंतन एवं प्रेरणा भरा प्रोत्साहन सदैव मेरे साथ रहा, उनके प्रति भी हार्दिक कृतज्ञता। शासनश्री साध्वीश्री जिनप्रभाजी सहित समस्त गुरुकुलवास के एवं देशभर में प्रवासित चारित्रात्माओं के प्रति हार्दिक कृतज्ञता जिनका प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष मार्गदर्शन इन दो वर्षों के दौरान प्राप्त हुआ। समण-समणी वृंद के प्रति भी हार्दिक कृतज्ञता जिनकी नवीन सोच सदैव मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा देती रही।

बहनों इन दो वर्षों में मैंने क्या पाया, क्या खोया की समीक्षा करूं तो कह सकती हूँ कि पितृवत्सलता के प्रतीक शासनस्तंभ श्रद्धेय मंत्रीमुनि प्रवर का साया सिर से खोया है जिनका वात्सल्यभरा मार्गदर्शन सदा मेरा पथ प्रशस्त करता रहा।

संस्था की नींव को सुदृढ़ बनाने वाले समस्त पूर्वाध्यक्षों के प्रति अहोभाव से आभार। विशेष स्मृति करना चाहूंगी स्व. श्रीमती सज्जन बाई चौपड़ा की जिनके नेतृत्व में योगक्षेम वर्ष में मुझे 15 दिन की सेवा के दौरान संस्थागत रीति-नीति को समझने व सीखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। तत्पश्चात् क्रमशः समस्त अध्यक्षों के नेतृत्व में अधिवेशन की प्रत्यक्ष साक्षी बनकर बहुत कुछ सीखने का अवसर मिला। सभी राष्ट्रीय पदाधिकारी एवं कार्यसमिति की बहनों का विशेष आभार जिनके अथक परिश्रम से 23 नये शाखा मंडल एवं 25 नये कन्या मंडल का गठन हुआ। मेरी सशक्त भुजाएं शाखा मंडल की बहनों का एवं कन्यामंडल की सभी बेटियों का तहेदिल से आभार।

नव मनोनीत अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद एवं नवगठित टीम को हार्दिक बधाई एवं ढेरों शुभकामनाएं देती हुई यही मंगलकामना करती हूं कि आप गुरु इंगित की आराधना करते हुए संस्था में नित नए आयामों को छूए, विकास के चरम शिखर तक पहुंचे, नई लकीरें खींचे एवं नए कीर्तिमान स्थापित करें।

इन दो वर्षों में जाने अनजाने हुई भूलों के लिए सभी से शुद्ध अंतर्मन से खमत खामणा करती हूँ।

पुनश्चः सभी के प्रति हार्दिक धन्यवाद, कृतज्ञता एवं शुक्रिया अदा करते हुए विदा लेती हूँ। स्वयं के लिए यही मंगल भाव सजाती हूँ कि उपासिका की भूमिका में रहते हुए अपदस्थ रहकर जीवन पर्यन्त गुरु दृष्टि की आराधना करते हुए संघ की सेवा करती रहूं।

दशहरा, दीपावली एवं नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं। नारी जाति के उन्नायक आचार्यश्री तुलसी के 106 वें जन्म दिवस पर संपूर्ण महिला समाज की ओर से श्रद्धासिक्त अभिवंदना।

आपकी अपनी

कुमुद कच्छारा

ऊर्जावाणी

मनुष्य इस सृष्टि का सर्वोत्तम प्राणी है। उसकी सर्वोत्तमता का आधार है उसका विकसित मस्तिष्क। मस्तिष्क का प्रमुख काम है विचार करना। मनुष्य जो कुछ करता है, उसकी श्रेष्ठता और अश्रेष्ठता का विश्लेषण करने की क्षमता मस्तिष्क में है। इस क्षमता को विवेक कहा जा सकता है। विवेक सम्पन्न मनुष्य अपने पानी को सुरक्षित रखने की दृष्टि से जागरूक रहता है। मनुष्य के पानी का अर्थ है – प्रतिष्ठा, इज्जत, साख स्वाभिमान। प्रतिष्ठा या स्वाभिमान का सर्वोत्कृष्ट आधार है व्यक्ति का चरित्र। चरित्र शब्द छोटा-सा है, पर इसके आयामों को जानना या मापना सरल काम नहीं है। मनुष्य के आचार-व्यवहार, चाल-चलन, शिष्टाचार, सौजन्य, सदाचार आदि के आधार पर उसके चरित्र की व्याख्या की जा सकती है। संक्षेप में कहा जाए तो मनुष्य की जीवनशैली ही उसके सत् अथवा असत् चरित्र का दर्पण है।

–आचार्य श्री तुलसी

किसी भी धार्मिक आदमी को कभी यह कामना नहीं करनी चाहिए कि उसके जीवन में कभी कष्ट न आए। इस तरह की सोच धार्मिकता का लक्षण नहीं है। मेरे पास ऐसे बहुत से लोग आते हैं और कहते हैं कि मैंने जीवन में हमेशा धर्म की ही बात सोची और धर्म ही किया फिर मेरे जीवन में इतनी मुसीबत क्यों आई? ऐसा प्रश्न करने वालों को मेरा उत्तर होता है – लगता है अभी तुमने धर्म को समझा ही नहीं। कष्ट आए तो उसे समभाव से सहन करो, यह तो धर्म की बात है। किन्तु कष्ट आएं ही नहीं, इस तरह के चिंतन में कहीं धर्म का लेशमात्र भी नहीं है। एक समझदार और सच्चे धार्मिक का चिंतन इस तरह का हो ही नहीं सकता। परमार्थ का चिंतन बिल्कुल अलग तरह का होता है। वहाँ स्वार्थ की कोई बात नहीं होती।

–आचार्य श्री महाप्रज्ञ

गुस्सा करना आदमी का स्वभाव नहीं है, परन्तु स्वभाव जैसा बना हुआ है। यदा-कदा मन के प्रतिकूल बात होती है तो गुस्सा आ जाता है और कभी-कभी वह शब्दों के द्वारा प्रकट भी हो जाता है। आंखें लाल हो जाती है। चेहरा अदर्शनीय-सा बन जाता है। किन्तु विवेक सम्पन्न आदमी गुस्से को मन तक सीमित रख लेता है। वीतराग पुरुष तो सर्वथा कषाय मुक्त होते हैं। इसलिए वे कभी गुस्सा नहीं करते। उनका चेहरा कितना सुन्दर लगता है। श्रीमज्जयाचार्य ने ''चौबीसी'' में तीर्थंकर के लिए कहा है–

इन्द्र थकी अधिका ओपै, करूणागर कदेय नहीं कोपे।

तीर्थंकर इन्द्र से भी अधिक सुशोभित होते हैं, अच्छे लगते हैं, सुन्दर लगते हैं। वे करूणा के सागर होते हैं, कभी गुस्सा नहीं करते। किन्तु सामान्य आदमी के लिए गुस्सा स्वभाव जैसा बना हुआ है। उसे समाप्त करना एक साधना है और इसी का नाम है – क्रोध विजय। दसवे आलियं में कहा गया है – 'उवसमेण हणे कोहं' – उपशम के द्वारा क्रोध को जीतना चाहिए।

–आचार्य श्री महाश्रमण

सूरज प्रकाश का पुंज है। वह अधंकार को दूर कर चमकता है। पर उसकी अपनी सीमाएं है। वह सीमित समय तक चमकता है। समय की सीमा पूर्ण होते ही वह अस्ताचल की ओट में चला जाता है और धरती पर पुनः अंधकार का साम्राज्य छा जाता है। अस्ताचल की ओर जाते समय सूर्य एक प्रश्नचिन्ह छोड़ता है और अपनी अनुपस्थिति में किसी सबल व्यक्ति को प्रकाश फैलाने का दायित्व देना चाहता है। किन्तु चारों ओर एक सपाट मौन फैल जाता है। कोई भी इतना साहस नहीं जुटा पाता। उस समय नन्हा सा दीपक खड़ा होकर आत्मविश्वास के साथ कहता है – आप निश्चिन्त होकर जाइए। मैं रात भर जागृत रहूंगा। अपने सामर्थ्य के अनुसार अन्धकार से लडूंगा और संसार में प्रकाश के अस्तित्व को बचाकर रखूंगा।

– साध्वी प्रमुखाश्री कनकप्रभा

जिनके सहयोगी हाथ बने हमारी सफलता का आधार
तहेदिल से करते हैं उनका ससम्मान हार्दिक आभार

1. **श्रीमती तारा सुराणा (संरक्षिका)**
भीतर में है अद्भुत क्षमता, है ऊँचा मनोबल
ढाल बनकर संस्था की, करती रक्षा हरपल

2. **श्रीमती सुशीला पटावरी (संरक्षिका)**
आपकी मधुर मुस्कान, लगती प्यारी-प्यारी
आपके स्नेह सिंचन से, खिल रही संस्था फूलवारी

3. **श्रीमती सायर बैंगानी (प्रधान ट्रस्टी)**
(निदेशिका - आचार्य तुलसी कृर्तत्व पुरस्कार)
प्रबुद्ध चिंतन, बेजोड़ लेखनी, करती गुरु दृष्टि आराधन
आचार्य तुलसी कर्तृत्व पुरस्कार हित कर रही श्रम नियोजन

4. **श्रीमती प्रकाशदेवी तातेड़ (ट्रस्टी)**
गौरव है श्राविकाओं की, संस्था की पक्की पहरेदार
जैन स्कोलर योजना को दिया पोषण, मन है बड़ा उदार

5. **श्रीमती शांता पुगलिया (ट्रस्टी)**
निज वक्तृत्व कला से बढ़ाई, आपने संस्था की शान
धीर-गंभीर चेहरे पर रहती सदा मधुर मुस्कान

6. **श्रीमती सौभाग बैद (ट्रस्टी)**
शांत, सौम्य, गंभीर व्यक्तित्व लगता बड़ा सुहाना
समय प्रबंधन व कर्तव्य निष्ठा, आपके जीवन का नजराना

7. **श्रीमती कनक बरमेचा (ट्रस्टी)**
(संयोजिका - संगठन विभाग,
सह निदेशिका - जैन स्कोलर योजना)
तत्वों की गहराई में जाकर, निखार रही है निज प्रभा
जैन स्कोलर योजना में बिखर रही तव कर्तृत्व आभा

8. **श्रीमती सूरज बरड़िया (ट्रस्टी)**
(निदेशिका - स्वस्थ परिवार स्वस्थ समाज योजना)
संस्था हित बुनती रहती है हर पल नया सपना
संस्था के हर सदस्य को बना लेती है अपना

9. **श्रीमती आरती कठोतिया (ट्रस्टी)**
खुश मिजाज, कुशल व्यवहार, दिल है बड़ा उदार
फिजियोथैरेपी सेंटर में निभाया अहम् किरदार

10. **श्रीमती मधु दुगड़ (ट्रस्टी)**
भीतर में भरा है सृजनात्मकता का खजाना
कल्याण मित्र कुलवधू को हमने निकट से जाना

11. **श्रीमती प्रियंका जैन (ट्रस्टी)**
छोटा कद, ऊँचा चिंतन, भीतर में है संघ समर्पण
उन्नत सेवा भावना में बीते हरपल आपका जीवन

12. **श्रीमती मोहिनीदेवी चोरड़िया (परामर्शक)**
मोहक मुद्रा, मधुर मुस्कान, लगती है मनभावन
समय-समय पर दिया आपने संस्था को नव सिंचन

13. **श्रीमती संतोष चोरड़िया (परामर्शक)**
आप जैसे व्यक्तित्व पर हम सबको है नाज
आपकी सहजता, सरलता में छिपा है गहरा राज

14. **श्रीमती बिमलादेवी नाहटा (परामर्शक)**
सादा जीवन उच्च विचार, यही है आपका श्रृंगार
निःस्वार्थ सेवा भावना में, मुखर हो रहा आपका व्यवहार

15. **श्रीमती प्रेमलता सिसोदिया (परामर्शक)**
आप जैसी परामर्शिका पर हमको है अभिमान
बढ़ाया आपने हरपल संस्था का सम्मान

16. **श्रीमती विजया मालू (परामर्शक)**
आध्यात्मिकता है आपके भीतर, संघ सेवा में रहती तत्पर
गुरु दृष्टि आराधन करके, आगे बढ़ती रहो निरंतर

17. **श्रीमती पुष्पा बैद (उपाध्यक्ष)**
(संयोजिका - जैन स्कोलर योजना)
आपकी कर्मजा शक्ति से प्रभावित हुआ हमारा मन
यूं ही मिलता रहे वात्सल्य आपसे हमें हर क्षण

18. **श्रीमती सुनीता जैन (उपाध्यक्ष)**
(संयोजिका - समस्या समाधान विभाग)
आपकी कार्यकुशलता सबके मन को भायी
आपकी जादुई आवाज चारों ओर है छायी

19. **श्रीमती विजयलक्ष्मी भूरा (सहमंत्री)**
(सह संयोजिका - संगठन विभाग)
आस्था और श्रद्धा आपके जीवन में झर-झर झरती
संघ संस्था हित हरदम हर कार्य में तत्पर रहती

20. **श्रीमती रंजु लूणिया (सहमंत्री)**
(संयोजिका - आओ चले गांव की ओर)
तत्व प्रचेता उत्साही और है परिश्रमी
संघ में सजोड़े सेवाएं दे रहे गुरुभक्त उद्यमी

21. श्रीमती सरिता डागा (कोषाध्यक्ष)

जीवन धन आपका, व्वहार कुशलता : मिलन सारिता
रक्षिता बनकर की आपने संस्था कोष की सुरक्षा

22. श्रीमती प्रभा घोड़ावत (प्रचार मंत्री)

उत्साह, उमंग और उल्लास, आपके जीवन का मूलमंत्र
प्रचार प्रसार किया संस्था का, यत्र-तत्र-सर्वत्र

23. श्रीमती नीतू ओस्तवाल (ई-मीडिया प्रभारी)

विलक्षण प्रतिभा, अदम्य साहस और कार्यशैली है खास
गुरुभक्ति व संघ सेवा में बहती सांस-सांस

24. श्रीमती मधु देरासरिया (कन्या मंडल प्रभारी)

भरा नया विश्वास कन्याओं में, बनकर राष्ट्रीय प्रभारी
गुरुबल-आत्मबल है आपके जीवन विकास प्रहरी

25. श्रीमती तरूणा बोहरा (कन्या मंडल सहप्रभारी)

शुभ भविष्य के नव सिंचन का आया अनुपम अवसर
कन्याओं को दिया आपने प्रशिक्षण नव शुभंकर

26. श्रीमती कल्पना बैद (निवर्तमान अध्यक्ष)
(संयोजिका - आचार्य महाश्रमण फिजियोथैरेपी सेंटर)

आपके जीने का अलग ही है अदांज
आपकी मिलन सारिता से सार्थक होते सब काज

27. श्रीमती पुष्पा बैंगानी (निदेशिका - तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन पाठ्यक्रम)

तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन की दिपशिखा घट-घट जले
एक ही लगन, एक ही धुन, गुरु श्रद्धा रग-रग बहे

28. श्रीमती वीणा बैद (संयोजिका - पक्खी प्रतिक्रमण उपक्रम)

सृजन, सेवा और समर्पण है आपकी थाती
संस्था आरोहण हित नूतन आयाम लाती

29. श्रीमती सुमन नाहटा (पूर्व महामंत्री)

वाकपटुता आपकी जादुई किरदार
बीजेपी से जुड़कर अब कर रही है राष्ट्र उद्धार

30. श्रीमती लता जैन (क्षेत्रीय प्रभारी-कर्नाटक)

गुरु सेवा में समय नियोजन आप सदैव करते
प्रतिपल बढ़ो आगे, यही मंगल भाव सजाते

31. श्रीमती विमला दुगड़ (संयोजिका - आचार्य महाश्रमण फिजियोथैरेपी सेंटर)

गहरी सूझबूझ से करती हर समस्या का निवारण
संस्था हित सदा शुभ चिन्तन, है जीवंत उदाहरण

32. श्रीमती मंजु भूतोड़िया (संयोजिका - तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन पाठ्यक्रम)

संस्था हित निष्काम भाव से, हर कार्य को अंजाम दिया
आपका मधुर विनय व्यवहार सबके मन को भाया

33. श्रीमती शोभा दुगड़ (निर्देशिका - रास्ते की सेवा, भावना)

सेवा-सद्भावना से जुड़ जाती इकतारी
आतिथ्य भावना आपकी लगती सबको मनहारी

34. श्रीमती डॉ. पुखराज सेठिया (क्षेत्रीय प्रभारी - पश्चिम बंगाल)

बहुमुखी प्रतिभा की धनी, कार्यक्षमता अद्भुत
अपने सृजनात्मक चिंतन से, विकास किया है खूब

35. श्रीमती लता गोयल (राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य)

मुख पर रहती मधुर मुस्कान, मुखरित होता श्रद्धाभाव
संस्था रहे प्रगति पथ आरूढ़, रहते भीतर में शुभभाव

36. श्रीमती सुषमा पींचा (राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य)

आपका हर कार्य करने का, अलग ही है अंदाज
आपकी सफलता में छिपे हैं गहरे राज

37. श्रीमती शशि बोहरा (क्षेत्रीय प्रभारी-बिहार)

महाश्रमणी परिकर का गौरव, है शशि सी शीतल
आपसे मिलकर होता सुखद अहसास हमें हरपल

38. श्रीमती नीतू पटावरी (क्षेत्रीय प्रभारी-हरियाणा)

नई सोच, नई विधा और है प्रखर प्रतिभा
संस्था हित श्रम नियोजन कर, निखारे स्वयं की आभा

39. श्रीमती ज्योति जैन (राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य)

प्रबंधन क्षमता अद्भुत और मधुर व्यवहार कुशलता
संघ समर्पण भाव आपका, सबके मन को सुहाता।

40. श्रीमती सुमन बच्छावत (राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य)

चिंतनशील व्यक्तित्व और शालीन व्यवहार
हंसमुख चेहरा आपका, संस्था पहरेदार

41. श्रीमती रमन पटावरी (संयोजिका - नारीलोक प्रश्नोत्तरी)

धीर-गंभीर और श्रमशील है आपका जीवन
नारीलोक प्रश्नोत्तरी कार्य बना आपका संजीवन

42. श्रीमती सरिता बरलोटा (क्षेत्रीय प्रभारी - छत्तीसगढ़)

हंसमुख चेहरा, अदम्य उत्साह, कर्तव्य निष्ठा बेजोड़
गहरी लगन से देती हर गतिविधि को नया मोड़

43. श्रीमती अदिति सेखानी (संयोजिका - कन्या सुरक्षा योजना)

आप जैसी कार्यकर्ता है संस्था की शान
आपकी वक्तृत्व शैली से कार्यक्रम में आती जान

44. श्रीमती सुमन लूणिया (क्षेत्रीय प्रभारी - हरियाणा)

संस्था हित दायित्व को निष्ठा से निभाया
हरियाणा के क्षेत्रों को संभालकर खूब जगाया

45. श्रीमती उषा बोहरा (राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य)

अदम्य उत्साह से हर कार्य को सफल बनाया
संकल्प में परिणत हर स्वप्न को सच कर दिखाया

46. श्रीमती रंजु खटेड़ (सह संयोजिका - आओ चले गांव की ओर)

आसाम प्रभारी बनकर, किया काम अविराम
फोन से संभाल लेती, याद रखती हर क्षेत्र का नाम

47. श्रीमती भाग्यश्री कच्छारा (विशेष सहयोगी - नारीलोक)

श्रम निष्ठा और कर्तव्य निष्ठा, है आपकी बेजोड़
अद्भुत कार्यशैली से फैली संस्था में उजली भोर

48. श्रीमती मधु डागा (सह संयोजिका - आओ चले गांव की ओर)

विनम्र व्यवहार, गहन चिंतन, सबके मन को भाता
संघर्षों में हार न माने, आपका जीवन सिखाता

49. श्रीमती सरला श्रीमाल (क्षेत्रीय प्रभारी - कर्नाटक)

सेवा की भावना से ओतप्रोत है आपका जीवन
अर्थ व्यवस्था को भी दिया आपने हर क्षण पोषण

50. श्रीमती कांता तातेड़ (संयोजिका - रास्ते की सेवा, भावना)

भावना सेवा में तत्पर रहकर, निभाया निज कर्तव्य
बारहवां व्रत निपजे सदा, यही रहा आपका मंतव्य

51. श्रीमती चंदा कोठारी (क्षेत्रीय प्रभारी - मारवाड़ संभाग)

संस्था के प्रति आपका है आत्मीय जुड़ाव
पर नहीं रहा अध्यात्म से भी कभी आपका अलगाव

52. श्रीमती सरिता दुगड़ (क्षेत्रीय प्रभारी - तमिलनाडू)

कर्मठता और जागरूकता की हो आप मिसाल
समय प्रबंधन आपका है गजब और बेमिसाल

53. श्रीमती मंजु नौलखा (क्षेत्रीय प्रभारी - गुजरात)

सहज, सरल, मृदुभाषी, करती हर कार्य मौन भाव से
आरोह-अवरोह में भी सम रहकर, निभाया दायित्व निष्ठा से

54. श्रीमती सुधा नौलखा (क्षेत्रीय प्रभारी - कर्नाटक)

महाश्रमण गुरुवर सन्निधि में जीवन सरसाय।
कर्नाटक की शाखाओं में नया उत्साह जगाया

55. श्रीमती जयश्री जोगड़ (क्षेत्रीय प्रभारी - महाराष्ट्र)

तुम्हारी लेखनी में है जादू व अक्षर है मोती
जिम्मेदारी निभाने में कभी पीछे नहीं हटती

56. श्रीमती जयश्री बडाला (संयोजिका - लाइफ कोच ट्रेनिंग कोर्स)

प्रतिभाशाली, हंसमुख और जीवन है सारभूत
देती अंजाम हर कार्य को कार्यशैली अद्भुत

57. श्रीमती सुनीता बोहरा (क्षेत्रीय प्रभारी - तमिलनाडू)

धीर गंभीर व्यक्तित्व आपका, दायित्व सदा निभाती
हर फाईल को सुव्यवस्थित आप हमेशा सजाती

58. श्रीमती पुष्पा नाहटा (क्षेत्रीय प्रभारी - गंगानगर संभाग)

दबंग व्यक्तित्व, श्रमशील कर्तृत्व और बुलंद हौंसला
आपका जीने का अंदाज ही है निराला

59. श्रीमती निर्मला चंडालिया (क्षेत्रीय प्रभारी - महाराष्ट्र)

महाराष्ट्र की यात्रा कर, किया संस्था हित श्रम नियोजन
योजनाओं का हुआ प्रचार, बहनों को मिला दिशा-दर्शन

60. श्रीमती सीमा बैद (क्षेत्रीय प्रभारी - बिहार)

तुम्हारे हर कार्य में मुखरित होता रहा समर्पण
दोहरा दायित्व निभाने खातिर आपने किया समय नियोजन

61. श्रीमती मंजुला डूंगरवाल (क्षेत्रीय प्रभारी - तमिलनाडू)

कर्तृत्व और व्यक्तित्व हो रहा है मुखरित
महामंत्री कार्यालय को रखा आपने व्यवस्थित

62. श्रीमती लीना दुगड़ (सह संयोजिका - रास्ते की सेवा, भावना)

भाव भरकर भावना में, हुई आत्म विभोर
शाखा मंडलों से जुड़ी, आत्मीयता की डोर

63. श्रीमती डॉ. नीना कावड़िया (क्षेत्रीय प्रभारी - मेवाड़ संभाग)

धूम मचायी मेवाड़ में, किया काम अविराम
जागृति की नव अलग जगाई, करते तुम्हें सलाम

64. श्रीमती सुधा भूरा (क्षेत्रीय प्रभारी - बीकानेर संभाग)

आपके भीतर में है आध्यात्मिकता गहरी
तप-त्याग से खिल रही है आपकी जीवन क्यारी

65. श्रीमती उषा जैन (क्षेत्रीय प्रभारी - पंजाब)

सशक्त कर्मठ बन किया निरंतर संस्कारों का सिंचन
संस्था प्रगति पथ आरोहित, चिंतन रहता मन में प्रतिक्षण

66. श्रीमती नीतू श्रीमाल (क्षेत्रीय प्रभारी - पश्चिम बंगाल)

पश्चिम बंगाल की सार-संभाल में, रही सदा तत्पर
संस्था हित हर कार्य में, आपकी जागरूकता हुई मुखर

67. **श्रीमती निधि सेखानी (संयोजिका - जायका क्वीन प्रतियोगिता)**
नई पौध, नये आयाम और नया चिंतन
नई-नई तकनीक विधा से, खोले संस्था में नूतन अध्ययन

68. **श्रीमती प्रभा दुगड़ (क्षेत्रीय प्रभारी - आंध्रप्रदेश)**
आंध्र तेलंगाना में जगाया है उत्साह
संस्था को सिंचन देने की सदा रही है चाह

69. **श्रीमती सुमन बैद (क्षेत्रीय प्रभारी - थली संभाग)**
मौन भाव से करती रहती संस्था हित में काम
जो भी दायित्व मिला, उसे दिया सफल अंजाम

70. **श्रीमती राजश्री पुगलिया (राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य)**
छोटे क्षेत्र में बड़े कार्य करने का किया पूरा प्रयास
यूं ही बढ़ती रहो आगे, अध्यात्म से जुड़ी है आपकी हर सांस

71. **श्रीमती ममता जैन (क्षेत्रीय प्रभारी - ओडिशा)**
ओडिशा को जगाने का आपने किया खूब प्रयास
गुरु सन्निधि को पाकर, बढ़ता रहा आपका विश्वास

72. **श्रीमती शशिकला नाहर (राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य)**
गुरु अनुकम्पा और कृपा दृष्टि का नहीं है कोई पार
आपके सौजन्य से दिया जाएगा, आचार्य तुलसी कर्तृत्व पुरस्कार

73. **श्रीमती सोनम बागरेचा (राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य)**
सबसे छोटी, सबसे हंसमुख, संस्था की है शान
आधुनिक तकनीक अपनाकर, बढ़ाया संस्था का मान

74. **श्रीमती सुमन नाहटा (कार्यालय प्रभारी - लाडनूं)**
संस्था से अपनत्व आपका, हर सदस्य का रखती ध्यान
आपकी कर्मठ कार्यशैली का, करते हैं सब मिल सम्मान।

श्रीमती पुष्पाजी बैंगाणी
(श्राविका गौरव, अभातेममं पूर्व अध्यक्ष)

को जैन विश्व भारती द्वारा गंगादेवी सरावगी जैन विद्या पुरस्कार 2018 से पूज्य प्रवर की पावन सन्निधि में सम्मानित किया गया।
अभातेममं द्वारा हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की मंगल कामना।

तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन पाठ्यक्रम की परीक्षा

आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन पाठ्यक्रम की परीक्षा 17 व 20 दिसम्बर 2019 तद्नुसार मंगलवार और शुक्रवार को दोपहर में 1 बजे से सभी परीक्षा केन्द्रों में आयोजित की जायेगी।

जैन स्कॉलर योजना के तृतीय बैच की द्वितीय कार्यशाला

आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अंतर्गत जैन स्कॉलर योजना के तृतीय सत्र की द्वितीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 1 नवंबर (शुक्रवार) से 12 नवंबर 2019 (मंगलवार) तक जैन विश्व भारती लाडनूं में किया जायेगा। सभी सम्भागीगण दिनांक 31 अक्टूबर तक लाडनूं पहुंचे। 1 नवंबर व 2 नवंबर को सुबह में 10 बजे तक परीक्षा का क्रम रहेगा फिर अध्ययन का क्रम चलेगा। 11 नवंबर 2019 को सायं 7 बजे तक अध्ययन का क्रम चलेगा। अतः वापसी का कार्यक्रम उसी अनुरूप बनाये।

महिला मंडल के बैनर तले आयोजित कार्यक्रम में तथा मंगलाचरण आदि की प्रस्तुति में व स्वागत-सम्मान में बहनें कृपया साफा तथा पगड़ी का प्रयोग नहीं करें। पहले भी नारीलोक में निर्देश दिया जा चुका है।

करणीय कार्य - नवम्बर

बहनों ! Empowerment कार्यशाला के अन्तर्गत Enter into the New Era से प्रारंभ हुआ दो वर्षों का यह सफर We Connect की अंतिम कार्यशाला Connection with New Vision के साथ सानन्द सम्पन्न हो रहा है। आप सभी ने जिस उत्साह, जोश, जुनून, सक्रियता एवं जागरूकता से इन कार्यशालाओं में भाग लिया वह वास्तव में सराहनीय ही नहीं अनुकरणीय भी है। अब समय आ गया है नये नेतृत्व के नये Vision से Connect होने का। नया नेतृत्व, नया चिंतन, नया जोश, नई ऊर्जा, नई टीम, नई संभावनाएं और नई आशाओं के साथ बेहतरीन कार्यक्षमता एवं कर्मजा शक्ति से कुछ नया करने का संकल्प करें।

इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस पर देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदीजी ने देशवासियों को सिंगल यूज प्लास्टिक के बैन का ऐलान किया। इसी को आधार बनाकर हमारी नवमनोनीत राष्ट्रीय अध्यक्ष ने महात्मा गांधीजी की 150वीं जयंती 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक सप्त दिवसीय महाअभियान के साथ अपने दायित्व के सफर का शुभारंभ करने का लक्ष्य बनाया है। जिसकी विस्तृत जानकारी आपको वाट्सअप ग्रुप के माध्यम से दी जा चुकी है। आइए हम सभी मिलकर जुड़े उनके New Vision से

Connection with New Vision

नया नेतृत्व नया विजन, संस्था को मिले हरपल सिंचन

सुनो ! वक्त की पुकार, करें प्लास्टिक को इंकार

सात दिवसीय महाभियान रुपरेखा

(2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर 2019)

2 अक्टूबर 2019 को अवेयरनेस सेमिनार का आयोजन

1 नमस्कार महामंत्र
2 मंगलाचरण - महाप्रज्ञ अष्टकम्
3 साध्वी प्रमुखाश्रीजी के संदेश का वाचन
4 अध्यक्षीय वक्तव्य (स्थानीय शाखा अध्यक्ष)
5 विशेष प्रस्तुति (गीत - स्वच्छ हो प्यारा हिन्दुस्तान)
6 प्रमुख वक्ता द्वारा विषय प्रस्तुति
7 प्रेरणा पाथेय - चारित्रात्माओं द्वारा
8 अनुप्रेक्षा - अनित्य भावना पर
9 धन्यवाद या आभार ज्ञापन

- 3 अक्टूबर को स्कूल में चित्रकला/पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता के आयोजन के साथ ही प्लास्टिक से होने वाले नुकसान पर प्रस्तुति।
- 4 अक्टूबर को शहर के प्रमुख चौराहों, सार्वजनिक स्थलों, ऐतिहासिक स्थलों पर नुक्कड़ नाटक/रोड़-शो इत्यादि का आयोजन।
- 5 अक्टूबर को कॉलेज में भाषण/वाद विवाद प्रतियोगिता के आयोजन के साथ ही प्लास्टिक से होने वाले नुकसान पर प्रस्तुति।
- 6 अक्टूबर को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में रिटेल/सब्जी व थैला व्यापारियों, चाय स्टॉल्स आदि प्रतिष्ठानों तक पहुँच प्लास्टिक बहिष्कार का संकल्प दिलाकर कपड़े व जूट के बने थैलों (सेम्पल) का वितरण एवं इसके अधिकारिक उपयोग का प्रचार-प्रसार।
- 7 अक्टूबर को शहर के प्रमुख चौराहों अथवा मार्गों पर मानव श्रृंखला का आयोजन।
- 8 अक्टूबर को राज्य में सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के लिए शहर के प्रशासनिक अधिकारियों व प्रमुख जनप्रतिनिधियों (मंत्री/सांसद/विधायक/महापौर/सभापति आदि) को राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपना।

विशेष : छोटे व बड़े शाखा मंडल उपरोक्त सात दिवसीय कार्यक्रमों को अपनी सुविधानुसार आयोजित कर सकते हैं।

इस माह का संकल्प - प्रतिदिन ''ॐ जय तुलसी'' की पाँच माला का जप

बेटियों के बढ़ते कदम - फहराएं विकास के परचम

इस माह आपको Talk Show का आयोजन करना है।

Healthy relation - Happy Me

इसमें आप विशेषज्ञ, Motivator को बुलाएं एवं निम्न बिन्दुओं पर चर्चा करें :-

- कैसे Manage करें Generation gap?
- कैसे बढ़ाये परिवार में Communication?
- क्या अपेक्षा है आपकी अभिभावक से और अभिभावक की आपसे ?
- क्या अभिभावक की Care आपको लगती है Interfere?

इस Talk Show में कन्याएं अपनी माताओं को भी सम्मिलित करे एवं विशेषज्ञ के द्वारा Conclusion निकालें।

आचार्य तुलसी कर्तृत्व पुरस्कार के संदर्भ में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा दिनांक 14 सितम्बर 2019 को बेंगलुरु प्रेस क्लब में 'आचार्य तुलसी कर्तृत्व पुरस्कार' के संदर्भ में प्रेस कॉन्फ्रेन्स का आयोजन किया गया। ज्ञातव्य है कि इस वर्ष यह पुरस्कार लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन को प्रदान करने का निर्णय संस्था द्वारा लिया गया। सुमित्रा महाजन स्वयं एक सशक्त राजनैतिक व्यक्तित्व है जिनकी शुचिता पूर्ण छवि सकल मीडिया के भी आकर्षण का विषय रही है।

Press Club में उपस्थित समाचार पत्रों के मीडिया प्रभारी एवं न्यूज चैनल्स के प्रभारी की उपस्थिति में सर्वप्रथम कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती वीणा बैद ने सभी का स्वागत किया एवं इस पुरस्कार के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए कहा कि कर्नाटक धरा पर एक वरिष्ठ महिला का सम्मान महिलाओं की वर्चस्विता को और ऊँचा उठाता है। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने संस्था की योजनाओं एवं उनकी गतिविधि व नारीलोक नारी की आवाज बन महिला विकास में योगभूत बन रही है इसकी संक्षिप्त प्रस्तुति दी। संस्था का परिचय भी दिया गया। पुरस्कार की निदेशिका सायर बैंगानी ने पुरस्कार को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का बताते हुये इसकी चयन प्रक्रिया की प्रामाणिकता एवं देश की शीर्षस्थ महिला व्यक्तित्वों द्वारा इसकी स्वीकारोक्ति को महिला समाज का गौरव बताया। उन्होंने पुरस्कार प्राप्त महिला शिरोमणियों का उल्लेख करते हुये कहा यह पुरस्कार नारी सम्मान की गरिमामयी परिभाषा को और अधिक महिमा मण्डित करता है। महामंत्री नीलम सेठिया ने संस्था के समाज कल्याणकारी गतिविधियों पर ध्यानाकर्षण करते हुए कहा कि प्लास्टिक फ्री Nation, स्वच्छ भारत अभियान, कन्या सुरक्षा सर्किल निर्माण, फिजियोथैरेपी सेंटर आदि द्वारा स्वस्थ व स्वच्छ भारत निर्माण की दिशा में संस्था द्वारा अनवरत प्रयास जारी है। Press कॉन्फ्रेन्स काफी प्रभावी रही। 35 न्यूज पेपर व न्यूज चैलन्स में प्रोग्राम से पहले व प्रोग्राम की न्यूज को प्रसारित किया गया। DD One की Prime News में आचार्य तुलसी कर्तृत्व पुरस्कार कार्यक्रम की फुटेज दिखाया जाना संस्था के लिए गौरव की बात है। DD One, Rajasthan Patrika, Udaya T.V., आदि अनेक न्यूज चैनल्स में अध्यक्ष, मंत्री एवं पुरस्कार निदेशिका के संक्षिप्त इंटरव्यू फुटेज दिखाये गये। P.R.O. के रूप में Mr. Chandra Shekhar का सक्रिय सहयोग प्राप्त हुआ।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का 44वां राष्ट्रीय महिला अधिवेशन ''उन्नयन'' 16, 17, 18 सितम्बर 2019

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का गौरवमयी 44वां वार्षिक अधिवेशन ''उन्नयन'' फूलों की नगरी बैंगलुरु-कुम्बलगुडु में अध्यात्म की सौरभ से कण-कण को सुरभित करने वाले अध्यात्म योगी महातपस्वी, महामनस्वी, आचार्यश्री महाश्रमणजी की पावन सन्निधि में समायोजित हुआ, जहाँ उन्नयन की राह पर अग्रसर 260 से अधिक शाखा मंडलों की लगभग 1200 बहनों की उपस्थिति रही।

15 सितम्बर 2019

पूर्व संध्या - अभ्यागत सत्र' ''आओ पारस्परिक सौहार्द बढ़ाएं''

अधिवेशन की पूर्व संध्या की मंगल शुरुआत नमस्कार महामंत्रोच्चार के साथ हुई। राष्ट्रीय कार्यसमिति द्वारा ''उन्नयन हो आत्मा का ये भावना रहे'' गीत के संगान से वातावरण मंगलमय हो गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने अपने स्वागत अभिभाषण में सुदूर क्षेत्रों से समागत सभी शाखा मंडलों का भावभीना स्वागत किया। अपने द्विवर्षीय कार्यकाल की समीक्षा के दौरान कृतज्ञता के स्वर व्यक्त करते हुए कहा कि योगक्षेम से संकल्प और संकल्प से उन्नयन तक का सफर सानन्द संपन्नता की ओर है। इस सफर में गुरु से संप्राप्त उर्जा, ममतामयी मां की स्नेह स्निग्ध वाणी, आध्यात्मिक पर्यवेक्षक शासन गौरव साध्वी श्री कल्पलताजी का चिंतन, पूर्वाध्यक्षों का अनुभवयुक्त मार्गदर्शन महामंत्री की कर्मठता, कार्यसमिति का उत्साह एवं सशक्त भुजाएं सभी शाखामंडलों का सहयोग, स्नेह, सम्मान जो प्राप्त हुआ यह अविस्मरणीय है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सभी के सहयोग व श्रम के प्रति प्रमोद भावना व्यक्त की। महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया ने 450 शाखा मंडलों के श्रम बिंदुओं से निर्मित सफलतारूपी मोतियों को अंतरिक्ष के नवग्रहों के रूप में प्रतिवेदन में गुंफित करके प्रस्तुत किया और बताया कि किस तरह से सफलता के एक-एक पायदान पर कदम दर कदम आगे बढ़ते गए।

राष्ट्रीय कार्यसमिति द्वारा अभ्यागत शाखा मंडल प्रतिनिधि बहनों का सुमधुर संगान द्वारा स्वागत किया गया। वृहद् बैंगलुरु महिला मंडल ने सुरमय भावों से सभी का अभिनंदन किया। इस सत्र का सुंदर संचालन श्रीमती नीतू ओस्तवाल ने किया।

16 सितम्बर 2019

प्रथम सत्र-अलंकरण सत्र' आचार्य तुलसी कर्तृत्व पुरस्कार

अलंकरण सत्र से पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा के नेतृत्व में जैन ध्वजारोहण के पश्चात् ''उन्नयन'' रैली के रूप में सभी ने परमाराध्य पूज्य गुरुदेव एवं असाधारण साध्वी प्रमुखाश्रीजी से मंगल पाठ श्रवण कर सफलतम 'उन्नयन' अधिवेशन की सफलता हेतु मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया।

आचार्यश्री महाश्रमणजी की पावन सन्निधि में आयोजित अलंकरण सत्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने अपने अध्यक्षीय उद्गार में उन्नयन की उजली भोर में सभी का हार्दिक अभिनन्दन करते हुए कहा कि अभातेममं का सर्वोच्च राष्ट्रीय स्तर का सम्मान है 'आचार्य तुलसी कर्तृत्व पुरस्कार'। सन् 2003 से प्रारम्भ हुए इस पुरस्कार को प्रति द्वितीय वर्ष दिया जाता है। यह पुरस्कार महिला शक्ति द्वारा अपने उद्धारक आचार्य तुलसी के प्रति

श्रद्धार्पण है। यह पुरस्कार आज नैतिकता व प्रामाणिकता के साथ प्रशासनिक क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने वाली लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन को दिया जा रहा है। आपने इस पुरस्कार के पूर्व प्रायोजक श्रीमती मोहनीदेवी बालचंदजी चोरड़िया चेरिटेबल ट्रस्ट एवं वर्तमान संपोषक श्री देवराज मूलचंद नाहर चेरिटेबल ट्रस्ट के प्रति विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया। इस पुरस्कार की डायरेक्टर श्रीमती सायर बैंगानी (चीफ ट्रस्टी), चयन समिति चैयरमेन श्री के.सी. जैन, चयन समिति अध्यक्ष श्री बी.सी. भालावत आदि सभी का आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर आचार्य महाप्रज्ञ जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में 'हैप्पी एण्ड हारमोनियस फैमिली' पुस्तक पर बनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म, महाप्रज्ञ साहित्य पर आधारित 'स्पंदन' काव्य संग्रह का भी लोकार्पण किया गया।

अभातेममं चीफ ट्रस्टी एवं पुरस्कार की निदेशक श्रीमती सायर बैंगानी ने आचार्य तुलसी कर्तृत्व पुरस्कार की जानकारी देते हुए कहा कि आदरणीय सुमित्राजी महाजन ने राजनीति की काली कोठरी में बेदाग रहकर जिस प्रकार उल्लेखनीय कार्य किया। यह पुरस्कार उनकी प्रामाणिकता का सम्मान है।

अमृत पुरुष आचार्य श्री महाश्रमणजी ने अपने अमृत पाथेय में फरमाया कि आचार्य तुलसी का कर्तृत्व विशिष्ट था। वे परिश्रमशील, पुरुषार्थशील व्यक्तित्व के धनी थे। जीवन के 12वें वर्ष में तेरापंथ सम्प्रदाय के संत बन गये, जिसमें उनका कर्तृत्व मुखर हो रहा था। 22 वर्ष की अवस्था में तेरापंथ सम्प्रदाय का अधिनेतृत्व प्राप्त हो गया था। इस क्रम में एक विशाल धर्मसंघ का अधिनेता बन जाना एक विशेष बात थी। मानव जाति के कल्याण के लिए अणुव्रत आंदोलन शुरु किया। नैतिकता, अहिंसा, संयम, नशा मुक्ति आदि का प्रचार-प्रसार किया। सुदूर पदयात्राओं के द्वारा आचार्य तुलसी ने समाजोत्थान का कार्य अपने समुदाय को साथ लेकर किया। आचार्य तुलसी को एक कर्तृत्वशील पुरुष के रूप में देखा जा सकता है। उनके उत्तराधिकारी आ. महाप्रज्ञजी ने भी अहिंसा यात्रा द्वारा मानव जाति के लिए अद्‌भुत कार्य किया। वर्तमान में आचार्य महाप्रज्ञजी का जन्म शताब्दी वर्ष चल रहा है जो ज्ञान-चेतना वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। आज जनता को अन्यान्य चीजों के साथ नैतिकता संयम आदि की भी आवश्यकता है। भारत के पास ज्ञान संपदा, ग्रंथ-संपदा, संत-संपदा अखूट है। देश के विकास के लिए, भौतिक, आर्थिक, शैक्षिक विकास अपेक्षित है इसके साथ नैतिकता व आध्यात्मिकता का विकास भी हो तो राष्ट्र अधिक स्वस्थ व शक्तिशाली बन सकता है। आचार्य तुलसी के कर्तृत्व के साथ जुड़ा यह सम्मान एक विशिष्ट व्यक्तित्व को दिया जाता है। राजनीति में काम करना एक विशिष्ट सेवा है। इस क्षेत्र में कितनी सेवा करे, और सेवा में कितनी शुद्धता हो यह महत्वपूर्ण है। लोकसभा के अध्यक्ष पद तक पहुँच जाना एक उपलब्धि है। जो सम्मान दिया गया है इससे व्यक्ति सम्मानित होता है और किसी अंश में सम्मानित व्यक्ति से सम्मान भी सम्मानित हो जाता है। यह सम्मान प्रेरणा दे कि ओर अधिक अच्छा कार्य हो, विकास हो, आध्यात्मिकता नैतिकता का विकास हो, मन में शांति भी रहे।

असाधारण साध्वीप्रमुखाश्री कनकप्रभाजी ने अपने दिशाबोध में फरमाया कि जिस महापुरुष के नाम से यह कर्तृत्व पुरस्कार दिया जा रहा है, ऐसे महापुरुष कभी-कभी ही इस धरती पर आते हैं और उनके द्वारा सोये हुए समाज को जगाया जाता है। भारत वर्ष एक ऐसा देश है, जहाँ अनेकों क्रांतियां हुई है। भगवान महावीर, राजा राम मोहन राय, दयानन्द सरस्वती, स्वामी विवेकानन्द, डॉ. भीमराव अम्बेडकर आदि ने अपने-अपने समय में धर्म को क्रियाकांडों के कटघरे से बाहर निकालने, सतिप्रथा, बाल-विवाह, महिला उत्पीड़न को रोकने व जातिगत असमानताओं को दूर करने का समुचित प्रयास किया। जैन समाज में भी आचार्य तुलसी ने समाज की मांग को ध्यान में रखते हुए धर्म के द्वारा समाज की बुराईयां दूर हो, इस चिंतन के निष्कर्ष के आधार पर अणुव्रत आंदोलन चलाया और 'नया मोड़' के द्वारा नारी उत्थान को ध्यान में रखते हुए पर्दा प्रथा, बाल विवाह, दहेज प्रथा, अस्पृश्यता आदि-आदि अनेकों सामाजिक रूढ़ियों पर प्रहार किया। आचार्य तुलसी ने नारी समाज के स्वरूप को ही बदल दिया। आपने अपने क्रांतिकारी कार्यों के लिए विरोध भी सहन किया। लेकिन कभी हार नहीं मानी। आज उसी का सुफल है कि विशाल महिला समाज का कर्तृत्व उजागर हो रहा है। यद्यपि राजनैतिक मंच से नारी सशक्तिकरण का नारा सुनाई देता है किंतु अभी भी अपेक्षा है ऐसी जमीन की जहाँ महिलाएं निर्भय होकर खड़ी हो सके। संघीय वृत्ति, विवेक जागरण के साथ आचार्य तुलसी, आचार्य महाप्रज्ञ से प्राप्त ऊर्जा एवं आचार्य महाश्रमण के आध्यात्मिक नेतृत्व आध्यात्मिक

संपोषण में अपना आत्मिक विकास करते हुए सदैव आगे बढ़े। शिक्षा के साथ सहिष्णुता, साहस एवं हौसला बरकरार रखते हुए सबके लिए अनुकरणीय बने। श्रीमती सुमित्रा महाजन एक ऐसी महिला है जिन्होंने देशभर से चुनकर आए प्रतिनिधियों को लोकसभा में एक सूत्र में बांधे रखा।

आचार्य तुलसी कर्तृत्व पुरस्कार से सम्मानित श्रीमती सुमित्रा महाजन ने अपने वक्तव्य में कहा कि आचार्य तुलसी और आचार्य महाप्रज्ञ दोनों ने राष्ट्रीय चरित्र निर्माण, नीतिमत्ता और उससे भी आगे बढ़ते हुए महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए आंदोलन छेड़ा था। इन दोनों आचार्यों के कर्तृत्व के संगम से एक ऐसा आभामंडित रत्न बाहर आया आचार्य महाश्रमण के नाम से, जिन्होंने आधुनिक ऋषि बनकर पदयात्रा द्वारा जन-जागृति का शंखनाद किया। साधनों से सुविधा मिलेगी किंतु साधन शुचिता से आत्मा को शांति मिलेगी यही बात आचार्य महाश्रमणजी की मुख्य प्रेरणा है। मातृ हृदया महाश्रमणीजी के प्रति अनन्य भावों से भावार्पण करते हुए उनकी तुलना एक माता से करते हुए स्वयं में धन्यता का अनुभव किया। महिला मंडल द्वारा प्रदत्त इस पुरस्कार के प्रति स्वयं को किंचित समकक्ष मानते हुए कहा कि राजनैतिक जीवन को नीतिमत्ता से जीने की कोशिश की है और परिवार में भी। बहनें परिवार रूपी रथ की सारथी बने, अपनी मर्यादा का ध्यान रखे और परिवार को सही दिशा की तरफ अग्रसर करें। Yes I Can Do इस सूत्र को अपने जीवन में जीवंत रखे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा, महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया, पुरस्कार निदेशिका श्रीमती सायर बैंगानी, चेयरपर्सन डॉ. के.सी. जैन, चयन समिति सदस्य श्री बी.सी. जैन एवं प्रायोजक श्री देवराज मूलचन्द नाहर परिवार द्वारा श्रीमती सुमित्रा महाजन को शॉल, मोमेंटो एवं पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती वीणा बैद एवं श्रीमती प्रभा घोड़ावत ने श्रीमती महाजन को प्रशस्ति पत्र भेंट किया। इस अवसर पर पुरस्कार के पूर्व प्रायोजक श्रीमती मोहिनीदेवी स्व. श्री बालचंदजी चोरड़िया का एवं वर्तमान प्रायोजक श्रीमान् देवराज मूलचन्द शशिकलाजी नाहर परिवार का तथा के.सी.जैन एवं बी.सी. जैन का भी संस्था द्वारा सम्मान किया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया ने किया।

द्वितीय सत्र - अवलोकन सत्र

विषय : संस्था संचालन - समीक्षा एवं नीति निर्धारण

इस सत्र का शुभारंभ हुंसुर महिला मंडल के मंगल स्वरों के साथ हुआ। महिला मंडल के आध्यात्मिक पर्यवेक्षक शासन गौरव साध्वीश्री कल्पलताजी ने एक आध्यात्मिक संस्था के रूप में महिला मंडल अपना विकास करते हुए अन्य क्षेत्रों में विशिष्टतम पहचान बनाकर किस तरह संघीय मर्यादाओं, संस्था की मर्यादाओं के अनुरूप कार्य करे इसके बारे में विशेष उद्‌बोधन प्रदान किया।

इस सत्र में अपने द्विवर्षीय कार्यकाल के दौरान शाखामंडलों की सार-संभाल एवं अन्यान्य कार्यों से रूबरू हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महामंत्री ने अपने समीक्षात्मक विचार पैनल के सामने प्रस्तुत किये। पैनल में प्रधानन्यासी श्रीमती सायर बैंगानी, ट्रस्टी श्रीमती कनक बरमेचा, ट्रस्टी श्रीमती सूरज बरड़िया, पूर्व अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैंगानी रही। समागत प्रतिनिधि बहनों की संस्था संचालनगत जिज्ञासाओं, समस्याओं का समाधान पैनल द्वारा किया गया। इस सत्र का कुशल संचालन पूर्व महामंत्री श्रीमती सुमन नाहटा ने किया।

तृतीय सत्र - उमंग सत्र

संस्था की योजनाओं को अपने श्रम सिंचन, उमंग, उत्साह के साथ सुंदर स्वरूप प्रदान करने वाले शाखा मंडलों को इस विशेष सत्र में सम्मानित किया गया। आचार्य महाश्रमण फिजियोथैरेपी सेंटर, स्वच्छतागृह निर्माण करने वाले, Wisdom Wednesday, Mahapragy Whatsapp Quiz, भावना चौका सेवा आदि उपक्रमों में सहभागी बनने वाले शाखा मंडलों को सम्मानित किया गया। इस सत्र के पारितोषिक वितरण का संचालन श्रीमती जयश्री बडाला, श्रीमती नीना कावड़िया एवं श्रीमती भाग्यश्री कच्छारा ने किया।

चतुर्थ सत्र - उत्कर्ष सत्र

विषय : Role and Challenges of Women in 2050

मैसूर महिला मंडल के मंगल स्वरों से चतुर्थ सत्र का शुभारंभ हुआ। विषय पर प्रशिक्षण देते हुए मुख्य वक्ता श्री बी.सी. भालावत ने कहा कि महिलाओं में इतनी प्रतिभा है कि वो हर क्षेत्र में अपने विकास का परचम फहरा सकती है, यहाँ तक कि वे व्यापार में भी पुरुषों से अधिक आगे जा सकती है। उन्होंने सन् 2005 में बने हिन्दू एक्ट की एक विशेष धारा की भी जानकारी दी जिसके तहत लड़का व लड़की सामान्यरूप से पैतृक सम्पत्ति में हिस्सेदार है। वर्तमान में हमारे संस्कार हमें इस धारा के अनुरूप कार्य करने की अनुमति नहीं देते लेकिन आने वाले समय में स्थितियों में बदलाव आ सकता है। क्योंकि संस्कारों का हास हो रहा है। जरूरी है हम समय रहते संभल जाए, रिश्तों की डोर को मजबूत बनाये। इसके लिए प्री-मेरिज काउन्सलिंग जैसी वर्कशॉप का आयोजन होना चाहिए जो पारिवारिक रिश्तों की मजबूती के लिए जरूरी है। 2050 में महिलाओं का रोल काफी Challanging रहेगा। महिलाओं में सहनशीलता, धैर्य काबिले तारीफ है। परिवार में संस्कारों का संप्रेषण करने वाली महिलाओं को विशेष ध्यान देना होगा कि आज की बाल व युवा पीढ़ी में सामाजिक स्तर पर एक जुड़ाव हो ताकि आने वाले समय में जो बदलाव आए वें सकारात्मक हो। आपने अभातेमम की कार्यशैली की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए समग्र महिला समाज के शुभ भविष्य की मंगल कामना की।

पुरस्कार वितरण एवं प्रोत्साहन

इस सत्र के द्वितीय चरण में सन् 2018-19 में कन्या सुरक्षा सर्किल, बैंच आदि कन्या सुरक्षा योजना को पुष्ट करने वाले कार्यों को बखूबी अंजाम देने वाले शाखा मंडलों का सम्मान किया गया। जैन जायका क्वीन प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पारितोषिक प्रदान किया गया। शाखा मंडलों के समग्र कार्यों का मूल्यांकन करते हुए महानगर, शहर, कस्बा, ग्राम आदि श्रेणियों में पुरस्कृत किया गया। इस सत्र का सुंदर संचालन श्रीमती अदिति सेखानी और पुरस्कार वितरण चरण का संचालन श्रीमती तरूणा बोहरा एवं श्रीमती निधि सेखानी ने किया।

शाखा मंडल के कर्तृत्व एवं उपलब्धियों पर अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल ने मोमेन्टो से सभी का सम्मान किया।

महानगर श्रेणी

1. मुबंई एवं सूरत महिला मंडल
2. हैदराबाद महिला मंडल
3. गुवाहाटी महिला मंडल
4. प्रोत्साहन - चैन्नई महिला मंडल

नगर श्रेणी

1. साउथ कोलकाता महिला मंडल
2. उधना महिला मंडल
3. उत्तर हावड़ा महिला मंडल एवं साउथ हावड़ा महिला मंडल

शहर श्रेणी

1. जयपुर सी-स्कीम महिला मंडल
2. जयपुर शहर महिला मंडल
3. काठमाण्डू महिला मंडल
4. प्रोत्साहन - कोयम्बतूर एवं रायपुर महिला मंडल

कस्बा श्रेणी

1. इंदौर महिला मंडल
2. मैसूर महिला मंडल
3. पाली महिला मंडल
4. प्रोत्साहन - श्री डूंगरगढ़, गुलाबबाग एवं वापी म. मं.

ग्राम श्रेणी

1. पचपदरा महिला मंडल
2. टोलीगंज महिला मंडल
3. नोएड़ा महिला मंडल
4. प्रोत्साहन - कांटाबाजी एवं कामरेज महिला मंडल

आध्यात्मिक गतिविधियाँ

1. बालोतरा महिला मंडल
2. नोखा महिला मंडल
3. जसोल एवं टापरा महिला मंडल

17 सितम्बर 2019

द्वितीय दिवस : प्रथम सत्र - आरोहण सत्र

विषय - उन्नयन का आधार, श्रावकत्व का विस्तार

ममता की मंदाकिनी, सरस्वती की वरद पुत्री असाधारण साध्वी प्रमुखाश्री कनकप्रभाजी के मुखारविंद से नमस्कार महामंत्रोच्चार के साथ द्वितीय दिवस के प्रथम सत्र का शुभारंभ हुआ। ''गुरुवर से पा उर्जा का संचार होगा निश्चित ही उन्नयन'' वृहद बैंगलुरु महिला मंडल के इस मंगल गीत से मंगलाचरण हुआ। इस सत्र में श्री अशोकजी डागा ने अभातेममं के मुख पत्र 'नारीलोक' का रजिस्टर्ड सर्टिफिकेट प्रधान न्यासी श्रीमती सायर बैंगानी, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा, महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया को सुपुर्द किया।

अधिवेशन संयोजिका व रा.का.स. श्रीमती शशिकला नाहर एवं श्रीमती सरला श्रीमाल ने बहनों को तेरापंथ धर्मसंघ के प्रति श्रद्धावान बनने एवं त्याग को जीवन में उतारने की बात कही।

मुख्य नियोजिका साध्वीश्री विश्रुतविभाजी ने अधिवेशन की उच्चस्तरीय थीम 'उन्नयन' के लिए अभातेममं को साधुवाद दिया। ''उन्नयन'' निद्रा से जागृति की ओर ले जाने वाला होता है। गहरी जड़ों वाले वृक्ष, गहरी नींव वाले मकान ही उन्नत होते हैं। श्रावक की नींव श्रावकत्व हैं, इसी का उन्नयन करना है। इसका बाना पहना नहीं जाता अपितु यह तो भीतर से ही धार्य होता है। श्रद्धा, संस्कार धार्मिक धरोहर बच्चों में संप्रेषित हो। कर्म के प्रति वफादारी यानि श्रावकत्व के प्रति जागरूकता, आध्यात्मिक चिंतन, व्यक्ति-व्यक्ति के साथ समरसता हो। आपने फरमाया कि साध्वी प्रमुखाश्रीजी इस उन्नयन का जीवंत रूप है, जो सबका आदर्श हैं, इन्हें अपने सामने रखकर सदैव उन्नयन करें।

साध्वीप्रमुखाश्रीजी ने अपने पावन उद्‌बोधन में फरमाया कि ''हजारों फूल चाहिए एक माला बनाने के लिए, हजारों दीप चाहिए एक थाल सजाने के लिए, हजारों बूंद चाहिए समुद्र बनाने के लिए लेकिन एक महिला ही काफी है घर को स्वर्ग बनाने के लिए,'' क्यूंकि गृहिणी गृहमुच्यते। हमारे आचार्यों ने महिलाओं को इतना उर्जावान बनाया है कि उनकी यात्रा निर्बाध हो। यह यात्रा एक संस्था के माध्यम से हो रही है। संस्था और परिवार दोनों के उन्नयन की भूमिका एक महिला निभा रही है। आज पारिवारिक समस्या ज्यादा है। संयुक्त परिवार एकल बन रहे हैं और वहाँ भी समस्याएं है। इस पर महिलाओं को चिंतन करना है। ट्रिपल A का फार्मूला Accept, Adjust, Appreciate को अपनाना होगा। जहाँ पारिवारिक रश्ते मजबूत हो वहाँ आपसी जुड़ाव होता है। परिवार टूट रहे हैं, यानि धर्म के संस्कार छूट रहे हैं। सहनशीलता कम हो रही है। महिलाएं तो सहन करती ही है पुरुषों को भी सहन करना होगा। सहिष्णुता बढ़े, एंडजस्टमेंट बिठाने के लिए दोनों पक्षों का समान प्रयास होना चाहिए। परिवार व संस्था को मजबूत बनाना है तो जरूरी है, कि परस्पर विश्वास हो, गलतियों को सुधारने के लिए अवकाश दें, आपसी संवादिता रहनी चाहिए। महिलाएं वसुंधरा हैं। ममता, समता, क्षमता महिलाओं की अखूट सम्पदा है। तेरापंथ समाज की महिलाओं को मौका मिला है, कारण उनकी क्षमताओं पर हमारे आचार्यों की दृष्टि पड़ी और वही उनकी सृष्टि बन गई। अधिवेशन के अवसर पर समीक्षा करें - क्या पाया ? क्या पाना बाकी है ? यह सोचें। जहाँ उतार-चढ़ाव, घुमाव हो वहाँ सावधानी रखें। इस अवसर पर यही कहना है कि संस्था के दायित्वों के प्रति सावधानी रखें। अपनी गरिमामयी छवि के साथ उन्नयन करें। ज्ञान चेतना का विकास हो, संयम में विश्वास हो।

इस सत्र में Happy and Harmonious Family Documentry Flim भी दिखाई गई। इस सत्र में जिन्होंने इस अधिवेशन को आर्थिक संपोषण प्रदान किया उन सभी अनुदानदाताओं का सम्मान किया गया। इस अधिवेशन को सफल बनाने में जिनका विशेष श्रम लगा उन सभी का भी सम्मान किया गया। वृहद बेंगलुरु के सातों महिला मंडल एवं अधिवेशन की संयोजिका का भी सम्मान किया गया। इस सत्र का कुशल संचालन पूर्व महामंत्री अधिवेशन की मुख्य संयोजिका श्रीमती वीणा बैद ने किया। इस अवसर पर अभातेममं के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विमलजी कटारिया एवं पूर्व अध्यक्ष श्री बी.सी. भलावतजी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

द्वितीय सत्र - साधारण सभा

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा की अध्यक्षता में आयोजित साधारण सभा का ''रोम-रोम में बस रहे भिक्षु'' गीत के मंगल स्वरों से सूरत महिला मंडल द्वारा मंगल शुभारंभ हुआ। महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया ने गत साधारण सभा के मिनिट्स का वाचन किया। कोषाध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने आय-व्यय का ब्यौरा सदन के सामने प्रस्तुत किया। ओम अर्हम् की ध्वनि से सदन ने इसे पारित किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने 13वें अध्यक्ष के रूप में अपने अंतिम वक्तव्य में सभी का स्वागत करते हुए शाखा मंडलों से प्राप्त स्नेह, सम्मान को सुखद अनुभूति बताते हुए बहनों को दुगुने जोश के साथ कार्य करने का आह्वान किया। अपने द्विवर्षीय कार्यकाल में प्राप्त सभी के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही अपने पद का विसर्जन किया। इसके बाद चीफ ट्रस्टी श्रीमती सायर बैंगानी सहित ट्रस्ट मंडल ने तथा परामर्शक मंडल, पदाधिकारियों एवं कार्यसमिति ने अपने पद का विसर्जन किया। श्रीमती तारा सुराणा को साधारण सभा की अध्यक्षता के लिए नियुक्त किया गया।

मंगल मंत्रोच्चार, मंगल भावना से भावित मंगल बेला में चुनाव अधिकारी श्रीमती कनक बरमेचा ने प्राप्त नामांकन पत्र के आधार पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद के नाम की घोषणा सन् 2019-21 के 14वें राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में की।

पूरा सदन ओम अर्हम् की ध्वनि से गुंजायमान हो गया। नव मनोनीत राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद को सभी ने बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की। इस सत्र का कुशल संचालन श्रीमती सुनीता जैन ने किया। पूर्वाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैंगानी ने संस्था संचालन के संदर्भ में कुछ नियमों की घोषणा की एवं सदन द्वारा पारित करवाये जो इस प्रकार है -

महिला मंडल हेतु प्रस्तावित व स्वीकृत नियम

1. अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और मंत्री पद पर जिन्हें कार्यसमिति में दो कार्यकाल का अनुभव हो वही सदस्यायें आ सकती है।
2. कोषाध्यक्ष, उपमंत्री व प्रचार-प्रसार मंत्री अथवा संगठन मंत्री इन पदों हेतु कार्यसमिति के एक कार्यकाल का अनुभव आवश्यक है।
3. मंडल में परामर्शक पद पर 5 महिला सदस्यों से अधिक नहीं हो।
4. परामर्शक 65 वर्ष व उससे अधिक उम्र की अनुभवी सदस्यायें ही बन सकती है।

ये नियम अगले कार्यकाल (चुनाव वर्ष) से लागू होंगे।

कन्या मंडल हेतु प्रस्तावित व स्वीकृत नियम

1. कन्या मंडल के लिए 25 प्रतिशत राशि का प्रावधान समाप्त कर दिया गया है।
2. कन्या मंडल नारीलोक व केन्द्र द्वारा निर्देशित कार्यक्रमों हेतु कार्यसमिति से बजट पास करवा कर महिला मंडल से खर्च हेतु राशि प्राप्त कर सकता है।
3. कन्या मंडल का गणवेश (सफेद सलवार सूट व लाल जैकेट) कन्याओं को स्वयं बनवाना होगा। उसका खर्च महिला मंडल नहीं वहन करेगा।

शांता पुगलिया
चीफ ट्रस्टी
ताराचंद जीवराज
नं. 2, राजावुडमन्ट स्ट्रीट
कोलकाता-700001
Email : shantapugalia@gmail.com

श्रीमती पुष्पा बैद
अध्यक्ष
'पावन' बी-106/107, विद्युत नगर-बी,
क्वीन्स रोड़, जयपुर-302021
मो. : 9314194215, 8209004923
Email : pushpabaid312@gmail.com

सीए तरूणा बोहरा
महामंत्री
301, साधना पैलेस, मराठा कॉलोनी,
दहीसर (पूर्व), मुम्बई-400068
मो. : 8976601717
Email : tarunajain365@gmail.com

तृतीय सत्र : उन्नयन की थामें डोर, बढ़े नव सृजन की ओर

इस सत्र का शुभारंभ जयपुर शहर एवं जयपुर सी-स्कीम की बहनों के मंगल समवेत स्वरों से हुआ।

नव मनोनीत राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद ने सर्वप्रथम गुरुत्रय आचार्य श्री तुलसी, आचार्यश्री महाप्रज्ञजी, आचार्य श्री महाश्रमणजी व साध्वीप्रमुखाश्रीजी को वंदन करते हुए उनसे संप्राप्त ऊर्जा से ऊर्जित होकर कार्य करने की बात कही। आपने अपने पूर्वाध्यक्षों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। अभातेममं के आगामी विजन के बारे में बताते हुए पूर्व योजनाओं, जैन स्कॉलर, तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन को अधिक व्यापकता एवं ऊँचाई देने की बात कही। आध्यात्मिक विजन के अन्तर्गत 11,000 तेले, 5000 दस प्रत्याख्यान, पूरे वर्ष प्रति घंटा मौन, प्रतिदिन आयंबिल गुरु चरणों में समर्पित करने की भावना व्यक्त की। साथ ही साथ अधिकाधिक बहनें चौबीसी की गीतिकाएं कंठस्थ करने का प्रयास करे, इस पर जोर दिया। सामाजिक विजन के अन्तर्गत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 2 अक्टूबर को प्लास्टिक मुक्त अभियान शुरु किया जा रहा है। उसे अभातेममं भी सक्रियता से चलाएगा ऐसा विश्वास दिलाया।

महाप्रज्ञ प्रबोध प्रश्न मंच प्रतियोगिता

इस सत्र के द्वितीय चरण में महाप्रज्ञ प्रबोध पर आधारित रोचक प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आधुनिक तकनीक के द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में देशभर की विजेता 30 बहिनों ने भाग लिया। कुल 6 ग्रुप में 4 आकर्षक राउण्ड में इसका आयोजन किया गया। प्रथम रेपीडफायर राउण्ड, द्वितीय ऑडियो राउण्ड, तृतीय शब्द राउण्ड को स्क्रीन के माध्यम से दर्शाया गया तथा चौथा स्टोरी लाइन राउण्ड के साथ प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। इस प्रतियोगिता में संबोधि ग्रुप प्रथम, आभा मंडल ग्रुप द्वितीय एवं श्रमण महावीर ग्रुप तृतीय स्थान पर रहा। इस सत्र व प्रतियोगिता का सुंदर नियोजन श्रीमती रमन पटावरी एवं श्रीमती सोनम बागरेचा ने किया। कार्यकर्ता बहनों का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

18 सितम्बर 2019 तृतीय दिवस - उर्ध्वारोहण सत्र

विषय : उन्नयन का आधार-आचार, विचार, व्यवहार, संस्कार

वीतराग मूर्ति परम श्रद्धेय आचार्य प्रवर के महामंत्रोच्चार से कार्यक्रम का मंगल शुभारम्भ हुआ। परमाराध्य आचार्य प्रवर ने अपनी अमृत देशना में फरमाया कि चुनावी वर्ष का अधिवेशन दायित्व के हस्तांतरण का वर्ष है। जैसे रमता साधु बहते हुए पानी की तरह निर्मल होता है, वैसे ही संस्था की कार्यरत टीम बहती रहनी चाहिए। स्वयं आगे बढ़ो और दूसरों को भी आगे बढ़ने का मौका देना चाहिए। लोकतांत्रिक शासन प्रणाली में दायित्व हंस्तातरित होता रहे, क्यूंकि जो कार्य कर रहा है, एक समय के बाद उसके उत्साह में कमी आ जाती है, उसकी कार्यशैली अलग होती है और नयेपन में भी कमी आ जाती है तब

दूसरा नये उत्साह, नये जोश, नयी कार्यशैली के साथ कार्य करता है। परिवर्तन होने से किसी एक पर भार नहीं रहता है, और परिवार संस्था दोनों को संभाला जा सकता है। निवर्तमान टीम को संतोष होना चाहिए कि उन्होंने सेवा के मौके का लाभ उठाया और वर्तमान टीम को यह सोचना चाहिए कि आज जो मौका मिला है उसमें पूर्ण उत्साह के साथ कार्य करके स्वयं की दक्षता साबित करे। संस्था के विकास के लिए प्रतिभा, संकल्प शक्ति, संस्थागत निष्ठा का उपयोग हो, संस्था का प्रधान, संस्था को सर्वोपरि माने और शुद्ध लक्ष्य, शुद्ध भावना के साथ यह सोच कर कार्य करें कि जिस विश्वास के साथ उन्हें यह दायित्व सौंपा गया है वे उस पर खरे उतरें। अभातेममं अच्छी कार्यकारी संस्था है तेरापंथ महिला समाज की शक्ति है। सुंदर व्यवस्थित शालीन तरीके से कार्य करती है। संघ-संघपति के प्रति भक्ति मुखरित है। कार्यों में सक्रियता है, बहनों में वक्तृत्व कला व संयोजन का अच्छा विकास हुआ है और भी अपेक्षित है। निरन्तर विकास होता रहे।

अलंकरण के संदर्भ में पूज्य प्रवर ने फरमाया कि श्राविका होना अच्छी बात है श्राविका गौरव होना उससे भी अच्छी बात है। यह अलंकरण परिवार को सदैव प्रेरणा देता रहे कि संघ-संघपति के प्रति पूर्ण समर्पित रहना है, धार्मिकता का विकास करना है।

प्रतिभा पुरस्कार के संदर्भ में फरमाया कि प्रतिभा होना जीवन की उपलब्धि है और विलक्षण प्रतिभा होना विशेष बात है। प्रतिभा में अध्यात्म की आभा भी बनी रहनी चाहिए। अध्यात्म की आभा से मंडित प्रतिभा विशिष्ट होती है। इससे स्वयं प्रतिभा अलंकृत हो जाती है। दोनों के योग से जीवन स्थिति व कार्यस्थिति दोनों अच्छी हो जाती है।

महिला मंडल को अध्यात्म के साथ आगे बढ़ते हुए विकास के नए क्षितिज खोलना है ऐसा मंगल आशीर्वाद पूज्य प्रवर ने प्रदान किया।

उर्ध्वारोहण के लिए अमृत पाथेय प्रदान करते हुए साध्वीप्रमुखाश्री कनकप्रभाजी ने फरमाया कि ''सद्गुरु की महिमा अनंत, अनंत किया उपकार। लोचन अनंत उधाड़िया, अनंत दिखावण हार।।'' हमारे गुरुओं ने महिलाओं की उनींदी आंखों को उघाड़ा और उनके विकास का मार्ग प्रशस्त किया। आज अभातेममं 5 दशक की जो यह यात्रा कर पाया है, वह उसी गुरुकृपा की निष्पत्ति है। अभातेममं ने महिलाओं की अस्मिता को समझा कर्तृत्व को निखारा और अपने कार्यक्रमों से न केवल संस्था का व स्वयं का विकास किया अपितु समाज को भी लाभान्वित किया। आज महिला मंडल अपनी विशिष्ट छाप छोड़ रहा है। भाईयों ने भी इस संस्था के वैशिष्टय को समझा और कहा कि मंडल के कार्यक्रमों में सभी पूर्वाध्यक्ष विद्यमान रहते हैं। उन्हें पूर्ण सम्मान दिया जाता है और राष्ट्रीय अध्यक्ष परिपक्वता के पायदानों को पार करके दायित्व ग्रहण करता है, जो कि अपने आप में गौरवशाली है। प्रमुखाश्रीजी ने फरमाया कि आप बहनें अकेले हजारों किमी की यात्रा कर अकेले कर गुरु चरणों में उपस्थित हो जाती हैं, यहीं से गुरु प्रसाद मुखर हो जाता है। आज एक कार्यकाल का समापन एवं दूसरे का शुभारंभ हुआ है। यह एक संस्थागत व्यवस्था है। गुरु की कृपा से आगे से आगे कार्य करते रहें। आज जहाँ महिलाएं समानता की नहीं सम्मान की अधिकारिणी है। अनुचरी नहीं सहचरी बनें, केवल जन्मदात्री न बने अतिपु जीवनदात्री, संस्कार निर्मात्री बनें। जैसे महान वैज्ञानिक थॉमस एडिसन की माँ उनके जीवन का निर्माण करने वाली बनी। श्राविका गौरव अलंकरण एवं प्रतिभा पुरस्कार दिए जा रहे हैं वे समाज की महिलाओं व कन्याओं के लिए प्रेरणास्पद बनें। गुरु दृष्टि का आराधन करते हुए गुरु की मंगल कृपा व आशीर्वाद से निरन्तर प्रगति करें।

महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया ने 44वें राष्टीय अधिवेशन के अवसर पर पूज्यप्रवर की काव्यात्मक अभ्यर्थना करते हुए अधिवेशन के साथ जुड़े समीक्षात्मक चिंतन व वर्षभर के उपलब्धि दर्पण को प्रभावी ढंग से परम पूज्य के चरणों में प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने अपने आत्मीय स्वर में उन्नयन के स्वर्णिम प्रभात में सभी के प्रति शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि योगक्षेम से उन्नयन तक की यात्रा को गुरु चरणों में निवेदन करने के प्रयास में

भाव स्तब्ध एवं शब्द मौन हो रहे हैं। विकास यात्रा में स्वयं को कहीं खड़ा न देखते हुए बहनों के श्रम को श्री चरणों में समर्पित किया। दो वर्षों की यात्रा के अनुभवों को व्यक्त करते हुए कहा कि स्वयं की भक्ति से ज्यादा गुरु की शक्ति एवं ममतामयी माँ की ममता पर भरोसा रखते हुए दायित्व की चादर ओढ़ी।

इसी क्रम में गुरु सन्निधि में नव मनोनीत राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद को दायित्व हस्तान्तरण करते हुए हार्दिक बधाई दी एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

नव मनोनीत राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मुख्य ट्रस्टी के रूप में श्रीमती शांता पुगलिया, महामंत्री श्रीमती तरूणा बोहरा के नाम की घोषणा की। साथ ही अपने ट्रस्ट मंडल, परामर्शक मंडल, टी-8 एवं कार्यसमिति की घोषणा भी की। अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में श्रीमती पुष्पा बैद ने तेरापंथ की आचार्य परम्परा को नमन किया। नव दायित्व ओढ़ते समय स्वयं को असमंजस की स्थिति में पाया कि इतने बड़े विशाल गौरवशाली संगठन का सक्षम नेतृत्व कैसे होगा? आचार्य प्रवर से ऐसे आशीर्वाद की कामना की कि पूर्वाध्यक्षों ने जो संस्था का महाकाव्य लिखा है, उसमें कुछ स्वर्णिम पृष्ठ जोड़ सके। रक्षिता ही नहीं रोहिणी बनकर अभातेमम के गौरव को बढ़ा सके। कार्यक्रम का प्रभावी सुंदर संचालन श्रीमती नीलम सेठिया ने किया। संरक्षिका श्रीमती तारा देवी सुराणा ने नव मनोनीत अध्यक्ष को शपथ ग्रहण करवाई तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने नवगठित टीम को शपथ दिलाई। इससे पूर्व परमाराध्य गुरुदेव ने निवर्तमान अध्यक्ष, महामंत्री व नव निर्वाचित अध्यक्ष दोनों को मंगल पाठ के रूप में विशेष आशीर्वाद प्रदान किया।

श्राविका गौरव अलंकरण एवं सीतादेवी सरावगी प्रतिभा पुरस्कार

अभातेमम द्वारा देव गुरु, धर्म के प्रति प्रगाढ़ श्रद्धा, संघ संघपति के प्रति समर्पित, श्रावकत्व के प्रति जागरूक एवं संस्था के विकास में योगभूत व्यक्तित्व को श्राविका गौरव अलंकरण दिया जाता है। इस वर्ष यह अलंकरण सहज, सरल एवं श्रद्धाशील सुश्राविका श्रीमती प्यारी देवी गादिया को प्रदान किया गया।

सीतादेवी सरावगी प्रतिभा पुरस्कार ऐसी बहनों को दिया जाता है जिन्होंने साहित्य कला या विज्ञान आदि के क्षेत्रों में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई हो और उस क्षेत्र में अपनी सेवाएं दे रही हों। इस वर्ष यह पुरस्कार श्रीमती सोनिया जैन जो राष्ट्रीय रक्षा अनुसंधान एवं विकास संस्थान (रक्षा मंत्रालय) के बेंगलुरु केन्द्र में वरिष्ठ रक्षा वैज्ञानिक के तौर पर भारतीय वायुसेना के TEJAS विमान की दक्ष उड़ान हेतु महत्वपूर्ण सेवाएं दे रही है को प्रदान किया गया।

इसी श्रृंखला में सुश्री श्वेता भंसाली को भी प्रतिभा पुरस्कार से नवाजा गया। जिन्होंने टेक्नोलॉजी में स्पेन से Ph.D. करके स्वर्ण पदक के साथ डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की एवं फ्रांस की यूरोपियन मटिरियल रिसर्च सोसायटी द्वारा 'इंडियन यंग बेस्ट सांइटिस्ट' का सम्मान प्राप्त किया।

श्राविका गौरव एवं प्रतिभा पुरस्कार से सम्मानित सभी बहनों को हार्दिक बधाई।

अधिवेशन के दौरान रजिस्ट्रेशन, आवास, भोजन, टिफिन, यातायात, मंच, पंडाल, पारितोषिक वितरण, अतिथि सत्कार, मीडिया प्रचार-प्रसार, रिपोर्टिंग, चारित्रात्माओं को निवेदन इत्यादि व्यवस्थाओं के सुव्यवस्थित संचालन में समस्त राष्ट्रीय पदाधिकारी एवं कार्यसमिति की बहनों के साथ साथ अधिवेशन संयोजिका श्रीमती वीणा बैद, सरलाजी श्रीमाल, शशिकला जी नाहर, लताजी जैन, सुधाजी नौलखा, बेंगलुरु के सातों ही महिला मंडल से गांधीनगर महिला की अध्यक्ष श्रीमती शांतिदेवी सकलेचा, मंत्री श्रीमती लता गादिया, विजय नगर महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती कुसुम डांगी, मंत्री श्रीमती मधु कटारिया, हनुमंत नगर महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती मंजु दक, मंत्री श्रीमती लाजवंती सिसोदिया, आर.आर.नगर महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती सरोजदेवी बैद, मंत्री श्रीमती शोभा बोथरा, राजाजी नगर अध्यक्ष रीमती मंजु गन्ना, मंत्री श्रीमती उषा चौधरी, यशवंतपुर महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती पद्मा सुराणा, मंत्री श्रीमती नीतू बाबेल, टी दासरहली महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती रत्ना मांडोत, मंत्री श्रीमती नेहा चावत एवं सभी की पूरी टीम तथा कन्या मंडल की कन्याओं का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। 'स्पंदन' काव्य संग्रह के संपादन में श्रीमती वीणा बैद का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

44 वाँ राष्ट्रीय महिला अधिवेशन ''उन्नयन''

कृतज्ञता के स्वर हो रहे मुखर

अंतर्मन से अनन्त-अनन्त कृतज्ञता अनंत ऊर्जा प्रदाता संघ सुमेरु वीतरागमूर्ति परम श्रद्धेय आचार्य श्री महाश्रमणजी के चरणों में जिनके अलौकिक तेजस्वी आभामंडल की छत्रछाया में 44वां राष्ट्रीय अधिवेशन निर्विघ्नतापूर्व सानंद सम्पन्न हुआ। करूणा के महासागर परम पूज्य गुरुदेव ने जो बहुमूल्य समय प्रदान किया वो हमारे जीवन के अविस्मरणीय क्षण बन गये। महिला समाज पर जो आशीर्वचनों की अमृत वर्षा की वो हमारे जीवन की अनमोल धरोहर बन गई। आपश्री की अमृत देशना के एक-एक अक्षर से प्रत्येक बहन के भीतर में नई ऊर्जा का संचार हुआ। अनन्त उपकारी गुरुदेव के प्रति अनन्त-अनन्त कृतज्ञता।

विनम्रता पूर्वक कृतज्ञता ज्ञापित करते हैं ममतामयी माँ श्रद्धेया असाधारण साध्वीप्रमुखाश्री कनकप्रभाजी के चरणों में जिनकी वात्सल्यमयी प्रेरणा व प्रोत्साहन भरे मार्गदर्शन से बहनों के भीतर में आनेवाले वर्षभर के लिए कार्य करने हेतु अद्भुत कर्मजा शक्ति एवं गहरी लगन का संप्रेषण हुआ।

हार्दिक कृतज्ञता मुख्य नियोजिका साध्वीश्री विश्रुतविभाजी के प्रति जिनके उद्बोधन से श्रावकत्व को पुष्ट करने की प्रेरणा प्राप्त हुई। कृतज्ञता श्रद्धेय मुख्य मुनिप्रवर एवं श्रद्धेया साध्वीवर्याजी के प्रति जिनकी प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष विशेष प्रेरणा प्राप्त हुई।

आध्यात्मिक पर्यवेक्षक शासन गौरव साध्वीश्री कल्पलताजी के प्रति तहे दिल से कृतज्ञता जिनका अहर्निश श्रम एवं प्रशस्त मार्गदर्शन अधिवेशन की सफलता का आधार बना।

कृतज्ञता समस्त चारित्रात्माओं के प्रति एवं समण समणीवृंद के प्रति जिनका प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष मार्गदर्शन बहनों को प्राप्त हुआ।

हार्दिक धन्यवाद चातुर्मास प्रवास व्यवस्था के अध्यक्ष श्री मूलचन्दजी नाहर एवं उनकी पूरी टीम के प्रति जिन्होंने संपूर्ण व्यवस्थाओं में अपना महनीय योगदान प्रदान किया।

अधिवेशन को सफल बनाने में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के सभी राष्ट्रीय पदाधिकारी एवं पूरी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। पूरी टीम के प्रति हृदय की अनन्त गहराई से धन्यवाद।

भारत एवं नेपाल के सुदूर प्रांतों से समागत हमारी ऊर्जावाहिनियां शाखामंडल की समस्त संभागी बहनों के प्रति विशेष आभार जिन्होंने अत्यंत गरिमामय एवं शालीनतापूर्ण व्यवहार से अधिवेशन की सफलता में चार चांद लगाये।

वृहद बेंगलुरु महिला मंडल की समस्त स्थानीय बहनों के प्रति विशेष आभार जिन्होंने अथक श्रम से व्यवस्थाओं में अपना महत्वपूर्ण योगदान देकर अधिवेशन को सफल बनाया।

अधिवेशन के कार्यक्रमों की गूंज को देश-विदेश में पहुँचाने वाले JTN, TSS, MMBG एवं समस्त पत्र-पत्रिकाओं के प्रतिनिधियों का एवं मीडिया अधिकारियों का हार्दिक धन्यवाद। अहिंसा यात्रा के समस्त कर्मचारीगण के प्रति हार्दिक आभार।

अधिवेशन को सफल बनाने में प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सहयोगी सभी के प्रति अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की ओर से अंतर्मन से हार्दिक आभार।

44वें राष्ट्रीय महिला अधिवेशन से पूर्व में हुए विभिन्न आयोजन

गांधीनगर (बेंगलुरु) महिला मंडल द्वारा कन्या सुरक्षा सर्किल का निर्माण एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में एवं तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर के तत्वावधान में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा की अध्यक्षता में आचार्य महाश्रमण कन्या सुरक्षा सर्किल का उद्घाटन एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम का भव्य आयोजन कुंबलगुड्डु क्षेत्र की सेंट बोनडिक्ट स्कूल में हुआ। प्रातः परम पूज्य आचार्य प्रवर से मंगलपाठ श्रवण कर बैनर का अनावरण किया गया। नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से कन्या सुरक्षा सर्किल का अनावरण किया गया।

गांधीनगर महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती शांति जी संकलेचा ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि कन्या भ्रूण हत्या एक जघन्य अपराध है, अभिशाप है। कन्याओं की हर दृष्टि से सुरक्षा करना अत्यन्त आवश्यक है। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने गांधीनगर महिला मंडल की सराहना करते हुए कन्या सुरक्षा सर्किल के लिए बधाई प्रेषित की। यह अभियान लगभग गत 40 वर्षों से चल रहा है। राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया ने कहा इस अभियान के अन्तर्गत पूरे भारत में अब तक लगभग 80 कन्या सुरक्षा सर्किलों का निर्माण हो चुका है।

अभातेयुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विमलजी कटारिया ने मंडल को बधाई दी एवं मंडल के कार्यकर्ताओं के जोश एवं जुनून की सराहना की। ग्राम पंचायत के विधायक माननीय चिकराजू ने कहा कि नारी का सम्मान करना चाहिए। नारी के बिना सृष्टि अधूरी है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरागांधी को याद करते हुए कहा कि आज नारी आधी दुनिया की हकदार है। आदरणीय फाधर एवं स्कूल की प्रिंसिपल श्रीमती मीना कांत ने स्कूल की ओर से स्वागत करते हुए कहा इतना अच्छा कार्यक्रम हमारी स्कूल के प्रांगण में हुआ तथा बच्चों के लिए विविध प्रतियोगिताएं आयोजित करवाई जिससे बच्चों में उत्साहवर्धन हुआ है।

गांधीनगर महिला मंडल की मंत्री श्रीमती लता गादिया ने आभार ज्ञापित किया। श्रीमती किरण गिलूंडिया ने कार्यक्रम का संचालन किया। संयोजिका श्रीमती ज्योति संचेती, सहमंत्री श्रीमती लक्ष्मी बोहरा, दमयंती कटारिया एवं प्रचार प्रसार मंत्री श्रीमती विजेता रायसोनी की विशेष उपस्थिति रही। चातुर्मास प्रवास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष श्री मूलचंदजी नाहर, महामंत्री दीपचंदजी नाहर, सभामंत्री श्री प्रकाश लोढ़ा, पूर्व अध्यक्ष अविनाशजी नाहर, प्रायोजक श्री कन्हैयालालजी प्रेमलताजी गिडिया एवं गिडिया परिवार, श्री सुरेशजी दक एवं श्री प्रदीपजी सकलेचा सहित तेरापंथ समाज के सभी गणमान्य व्यक्ति एवं महिला मंडल की सदस्याएं उपस्थित रही।

इस कार्यक्रम में विशेष तौर पर राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य श्रीमती वीणा बैद, श्रीमती लता जैन, श्रीमती शशिकला नाहर, श्रीमती सरला श्रीमाल, श्रीमती लता गोयल, श्रीमती उषा बोहरा, श्रीमती शशि बोहरा, श्रीमती शशि नौलखा एवं बेंगलुरु के सभी महिला मंडल के अध्यक्ष, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बहनों की उपस्थिति से कार्यक्रम की गरिमा में वृद्धि हुई। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम सानन्द सम्पन्न हुआ।

विजयनगर (बेंगलुरु) महिला मंडल द्वारा स्वच्छ जल परियोजना समारोह का आयोजन

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा की अध्यक्षता में स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत स्वच्छ जल परियोजना समारोह का आयोजन विजयनगर महिला मंडल द्वारा तुलसी चेतना केन्द्र के भिक्षु सभागार में किया गया। समारोह का शुभारंभ असाधारण साध्वी प्रमुखाश्री कनकप्रभाजी के मंगलपाठ व आशीर्वाद से हुआ। महाश्रमणीजी ने फरमाया कि महिला मंडल उत्साह के साथ कार्य कर रहा है।

विजयनगर महिला मंडल की बहनों द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। अध्यक्ष श्रीमती कुसुम डांगी ने सभी का स्वागत किया। राष्टीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा, राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य श्रीमती वीणा बैद व अभातेयुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विमलजी कटारिया ने मंडल के कार्यों की सराहना करते हुए आगे भी इसी तरह कार्य करते रहने के लिए प्रेरित किया। निवर्तमान अध्यक्ष श्रीमती सरोज टांटिया ने विचाराभिव्यक्ति दी। कार्यक्रम में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम की संयोजिका श्रीमती मंजु गादिया एवं श्रीमती आशा कोठारी का श्रम एवं सहयोग सराहनीय रहा। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती प्रेम भंसाली ने किया व आभार उपाध्यक्ष श्रीमती मंजु गादिया ने किया। कार्यक्रम में बेंगलुरु के सभी महिला मंडल के अध्यक्ष–मंत्री की विशेष उपस्थिति रही। समारोह के पूर्व दो स्वच्छ जल कूलर का लोकार्पण किया गया।

कन्या सुरक्षा सर्किल लोकार्पण एवं Happy and Harmonious Family सेमिनार का आयोजन

बिजयनगर – अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल, बिजयनगर द्वारा आचार्य महाश्रमण कन्या सुरक्षा सर्कल का लोकार्पण रेल्वे स्टेशन पर नगर पालिका अध्यक्ष मुख्य अतिथि सचिन जी सांखला चेयरमैन नगरपालिका, विशिष्ट अतिथि नगरपालिका उपाध्यक्ष सहदेव सिंह कुशवाह, नीतू ओस्तवाल (ई मीडिया प्रभारी), डॉ नीना कावड़िया (मेवाड़ क्षेत्रीय प्रभारी) एवं मुख्य वक्ता डॉ नवल सिंह जैन (जनरल सेक्रेटरी फेडरेशन ऑफ जैन एजुकेशनल इंस्टीट्यूट एवं राज्य प्रभारी) (अल्पसंख्यक), राजस्थान की उपस्थिति में किया गया।

उसके बाद सभी अथितियों की गरिमामय उपस्थिति में तेरापंथ सभा भवन में आचार्य महाप्रज्ञ जन्म शताब्दी पर हैप्पी एन्ड हॉर्मोनियस फेमिली सेमिनार का आयोजन किया गया। महिला मंडल की बहिनों द्वारा नमस्कार मंत्र एवं महाप्रज्ञ अष्टकम के सामूहिक संगान से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। मंडल की मंत्री संध्या जैन द्वारा साध्वी प्रमुखाश्रीजी के मंगल संदेश का वाचन किया गया। मंडल की अध्यक्ष श्रीमती ललिता तलेसरा ने अतिथियों का स्वागत किया और कहा कि बिजयनगर बहुत छोटा क्षेत्र हैं फिर भी सबके सहयोग से इन दोनों कार्यक्रमों को पूरा कर पाए। सेमिनार में विषय पर प्रकाश डालते हुए मुख्य अतिथि ने कहा हम परिवार में सामंजस्य स्थापित कर परिवार को खुशहाल बना सकते है।

मुख्य वक्ता डॉ नवल सिंह जैन ने विषय पर विचार व्यक्त करते हुए बताया कि वर्तमान में यदि परिवार को खुशहाल रखना चाहते है तो बालकों के संस्कार निर्माण पर ध्यान देना होगा। इस कार्य में धार्मिक गतिविधियों से बालकों का विकास हो सकेगा। सेमिनार में अतिथियों ने कहा कि शिक्षा का विकास हुआ लेकिन संस्कारों की कमी हो रही है। आवश्यकता संस्कारों का विकास करने की है। कन्या सुरक्षा योजना पर भी अभिव्यक्ति दी। तत्पश्चात महिला मंडल की नीतू श्रीश्रीमाल, दीपमाला तलेसरा, सज्जन देवी नोलखा, मोना जैन द्वारा हम नया सवेरा लाए गीत की प्रस्तुति आकर्षक तथा मधुर स्वरों में दी गई।

अंत में सभा अध्यक्ष बाबूलालजी छाजेड़ ने सभी अतिथियों , महिला मंडल बहिनों सभा सदस्यों का आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम में सभा उपाध्यक्ष डी सी जैन,मंत्री दिलीपजी तलेसरा, प्रकाश भालावत, पदम नोलखा, गोतम भालावात, टीकम हेमनानी, गुलाबपुरा महिला मंड़ल की बहनो एवं अन्य समाज की कई बहनो की विशेष उपस्थिति रही ।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता अक्टूबर 2019

सन्दर्भ ग्रंथ : महाप्रज्ञ प्रबोध – 152 से 162 पद्य अर्थ सहित
तेरापंथ का इतिहास पृष्ठ 495 से 551 तक

अ. निम्न प्रश्नों के उत्तर अ से शुरु होने वाले शब्दों से दें –

1. मूर्तिपूजक श्रावक कालूरामजी श्रीमाल कहाँ के थे?
2. चित्र एक क्षेत्र एवं एक काल की ..... देने वाला होता है।
3. आचार्य श्री महाप्रज्ञजी के देवलोक गमन के समय राजस्थान के मुख्य मंत्री थे .....।
4. जयाचार्य ने भरत–बाहुबली महाकाव्य का ..... किया।
5. उनकी आत्मा की विशालता ..... थी।
6. अणभेवाणी अर्थात .....।
7. ..... प्रतिकूल सम सही, तप विविध तपंदा।
8. ..... साठै समय, सुदि, आसोद सुलेह।
9. हो सुजना ! सुमिरण स्यूं बण ज्यावै हिवडौ ..... हो।
10. 42 पद्यों के 2 छोटे अधिकार, यहाँ अधिकार से तात्पर्य .....।

ब. संक्षिप्त उत्तर दें (एक पंक्ति में) :–

1. एक गहन–गंभीर तात्विक चर्चा से भरा हुआ ग्रंथ?
2. आचार्य महाप्रज्ञ ने किनके संयम पर्याय का अतिक्रमण कर नए इतिहास का सृजन किया?
3. जयाचार्य का सर्वाधिक विशाल ग्रंथ कौन सा है?
4. संयम की विराधना के हेतु तत्व क्या है?
5. स्वामीजी के संबंध में विस्तृत जानकारी देने वाला ग्रंथ कौन सा है?
6. कौन ? न लज्जा की रक्षा कर पाते हैं और न संकोच की।
7. आचार्य महाप्रज्ञजी की महाप्रयाण यात्रा में हेलिकॉप्टर द्वारा सिक्के किसने बरसाए?
8. जैन साधना पद्धति का मूल तत्व क्या है?
9. राजस्थानी सबद कोस के निर्माता कौन थे?
10. शास्त्रार्थ में अजेय बन जाने का अर्थ क्या है?

नोट : उत्तर पुस्तिका पर अपना नाम पता एवं फोन नं. अवश्य लिखें।
उत्तर महिने की 25 तारीख तक श्रीमती रमन पटावरी के पते पर अवश्य पहुँच जाए।
उत्तर फुल साइज पेज पर हाशिया छोड़ते हुए शुद्ध एवं साफ लिखें।
प्रश्न का उत्तर जितना पूछा जाए उतना ही दें।

श्रीमती रमन पटावरी
SILVER SPRING,
JBS 5 HALDEN AVENUE,
BLOCK - 1, 17-C, KOLKATA - 700105
मोबाईल : 9903518222 / 033–40620395
ई–मेल : raman.patawari@gmail.com

महाप्रज्ञ प्रबोध

सितम्बर माह के प्रश्नों के उत्तर

अ. शब्द अन्वेषण :-

1. प्रातराश
2. भाषा
3. सहस्त्रार
4. संस्कृत व्याकरण
5. रहस्य
6. भगवती की जोड़
7. पंच ऋषि स्तवन
8. ब्रह्मेन्द्र
9. स्तबक
10. छाया
11. दीपांजी
12. द्रव्य लिपी
13. जयाचार्य
14. श्रुत
15. सन्त गुणमाला

ब. किसने किससे कहा

1. आचार्य श्री महाप्रज्ञजी ने मुख्य नियोजिका साध्वी विश्रुत विभाजी से कही।
2. आचार्य श्री महाप्रज्ञजी ने कहा।
3. जयाचार्य ने कहा।

स. 1. वाचना 2. पृच्छना 3. परिवर्तना 4. अनुप्रेक्षा 5 धर्मकथा।

द. दवदन्ती, जयवंती तथा इन्द्राणी।

अगस्त माह की प्रश्नोत्तरी के भाग्यशाली विजेता

1. रेशमा चिंडालिया, जयपुर
2. अस्मिता वी. सामोता, नवी मुंबई
3. सुमन गोयल, नाभा
4. विमला रायजादा, साउथ हावड़ा
5. मनीषा जैन, फरीदाबाद
6. सुरजीत सिंगला, पंचकूला
7. अनुजा गोलेच्छा, बालोतरा
8. चांदनी बोथरा, अहमदाबाद
9. करूणा मेहता, राजसंमंद
10. विमला श्यामसुखा, हैदराबाद

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को मिलने वाला अनुदान

51,000 गुप्त अनुदान।

51,000 श्रीमती सोनिया जैन (जयपुर-बेंगलुरु) द्वारा प्रतिभा पुरस्कार से सम्मानित करने पर सप्रेम भेंट।

संशोधन - सितम्बर माह के अंक में जगराओ महिला मंडल की राशि 11,000 है।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा सभी अनुदानदाताओं के प्रति हार्दिक आभार !

महामंत्री कार्यालय : श्रीमती नीलम सेठिया - 28/1, शिवाया नगर, 4th Cross, रेड्डीयुर, सेलम-636004, तमिलनाडु
मो. : 099524 26060 ईमेल neelamsethia@gmail.com

कोषाध्यक्ष कार्यालय : श्रीमती सरिता डागा - 45, जेम एनक्लेव, प्रधान मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर - 302 017
मो. : 094133 39841 ईमेल sarita.daga21@gmail.com

नारीलोक हेतु सम्पर्क करें : श्रीमती सौभाग बैद मो. : 080031 31111 श्रीमती भाग्यश्री कच्छारा मो. : 096199 27369
नारीलोक देखें website : www.abtmm.org

44वें राष्ट्रीय महिला अधिवेशन एवं 15वें राष्ट्रीय कन्या अधिवेशन में सहयोगी उदारमना परिवार

विशिष्टतम सहयोगी

श्रीमती मंगली देवी दुधोड़िया एण्ड सन्स, छापर – बैंगलुरु

विशिष्ट सहयोगी

श्रीमती आशा बी.सी. भलावत – लाछूड़ा – मुम्बई

श्रीमाल परिवार, मेनसार – बैंगलुरु

श्रीमती मधु विमलजी कटारिया, बेमाली – बैंगलुरु

विशेष सहयोगी

स्व. श्री धीरेन्द्र कुमार श्रीमती पुष्पा देवी सौरभ-रूचिका एवं विजयश्री, पूजा, आरती डागा, बैंगलुरु

श्रीमती सौभाग देवी शासनसेवी श्री पन्नालालजी बैद, राजलदेसर-जयपुर

श्रद्धा की प्रतिमूर्ति श्रीमती बिमला देवी भानुकुमारजी नाहटा, छापर - मुम्बई

श्रीमती सरोजदेवी मदनचन्दजी, उषा-आलोकजी, वन्दना-अजीतजी दुगड़ ''जौहरी'', सरदारशहर-मुंबई-सूरत

गिड़िया परिवार, बीदासर - चैन्नई - बैंगलुरु

श्री भेरूलालजी सुनील कुमारजी, भरतजी, निर्मलजी, दीपकजी बाफना, लावा सरदारगढ़-राजाजी नगर, बैंगलुरु

श्रीमती पिस्तादेवी, श्रीमती शांति प्रदीपजी सकलेचा, राणावास - बैंगलुरु

श्रीमती सरोज देवी अमरसिंह जी छाजेड़, सुजानगढ़ - बैंगलुरु

श्रीमती सरोज देवी गौतमचंदजी सेठिया, बैंगलुरु

कल्याण मित्र परिवार श्रीमती लताजी सुरेशजी गोयल, कोलकाता

श्रीमती मांगीदेवी, डॉ. विजयजी-मंजु, विमलजी-प्रभा, अमित-मीनल, सुमित-डॉ. अदिति, अहान घोड़ावत, बीदासर - इंदौर

श्री बालचन्दजी, श्रीमती सुधा रमेशजी, नम्रता-राहुल नौलखा, दौलतगढ़ - मैसूर

श्रद्धानिष्ठ श्रावक सुमेरमलजी नाहटा, रेवंत स्मृति ट्रस्ट, छापर - काठमाण्डो

श्री इन्दरचन्दजी, धरमीचन्दजी, महावीरचन्दजी धोका, मुसालिया - बैंगलुरु

श्रीमती मालाबाई संतोष कुमारजी कातरेला, बगड़ीनगर - चैन्नई